दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'रास्ते कभी खत्म नहीं होते, लोग हिम्मत हार जाते हैं। तैरना सीखना है तो पानी में उतरना ही पड़ेगा, किनारे बैठकर कोई दरिया पार नहीं करता। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-212 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 26 जून, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

लुप्त होता भड़भूजा, गायब होती धाणी-भूंगड़े की संस्कृति

बदलते खान-पान के बीच खोती ग्रामीण विरासत और स्वास्थ्य का खजाना भारतीय ग्रामीण जीवन केवल खेती, पशुपालन और परंपराओं का नाम नहीं था, बल्कि यह एक ऐसी जीवनशैली थी जिसमें स्वास्थ्य, सामाजिकता, आत्मनिर्भरता और प्रकृति के साथ सामंजस्य का अद्भुत मेल दिखाई देता था। गांवों की चौपाल, पनघट, आटा चक्की, भड़भूजा, धाणी-भूंगड़े और सत्तू जैसी परंपराएं केवल खान-पान का हिस्सा नहीं थीं, बल्कि वे हमारी सांस्कृतिक विरासत की जीवंत पहचान थीं। दुर्भाग्य से आधुनिकता और बाजारवाद की तेज आंधी में यह विरासत धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है।

एक समय था जब गर्मियों की शुरुआत होते ही गांवों में भड़भूजा सक्रिय हो जाता था। पीपल, बरगद या नीम की छांव के नीचे मिट्टी और रेत की भट्टी सजती थी। उसमें जौ, चना, मक्का और अन्य मोटे अनाजों को भूनकर धाणी, भूंगड़े और खिल्ली तैयार की जाती थी। महिलाएं बड़े जतन से जौ भिगोती थीं, चने साफ करती थीं और बच्चों के लिए स्वादिष्ट चबीना तैयार करवाती थीं। घर में सिंडोरे भरकर धाणी-भूंगड़े रखे जाते थे, जिन्हें परिवार के सदस्य दिनभर खाते रहते थे।गर्मी के दिनों में खेतों में काम करने वाले किसान, जंगल में पशु चराने वाले चरवाहे, पिलू और जंगली फल तोड़ने जाने वाले ग्रामीण अपने साथ सुराही का पानी और धाणी-भूंगड़े अवश्य लेकर जाते थे। यह केवल भोजन नहीं था, बल्कि ऊर्जा, तृप्ति और स्वास्थ्य का सस्ता तथा सहज साधन था। आज जिस फाइबर युक्त और पौष्टिक भोजन की चर्चा बड़े-बड़े पोषण विशेषज्ञ करते हैं, वह हमारे गांवों में सदियों से सहज रूप में उपलब्ध था। भड़भूजा केवल एक व्यवसाय नहीं था। वह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा था। गांव में जब भड़भूंजा आता था तो बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग उसके आसपास जुट जाते थे। यह केवल अनाज भूनने का काम नहीं होता था, बल्कि संवाद, मेलजोल और सामाजिक आत्मीयता का अवसर भी बनता था। लोग एक-दूसरे का हालचाल पूछते, सुख-दुख साझा करते और सामुदायिक जीवन को मजबूत बनाते थे।

लेकिन समय के साथ यह दृश्य बदल गया। बाजार में पैकिंग वाले स्नैक्स, चिप्स, नमकीन, पिज्जा, बर्गर, मैगी और कोल्ड ड्रिंक ने हमारी परंपरागत खाद्य संस्कृति को पीछे धकेल दिया। आज की नई पीढ़ी धाणी, भूंगड़े, सत्तू और चबीना जैसे शब्दों से भी परिचित नहीं है। जो चीजें कभी घर-घर की पहचान थीं, वे अब केवल बुजुर्गों की स्मृतियों में सिमटकर रह गई हैं।यह परिवर्तन केवल खान-पान का नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण का भी संकेत है। हमने सुविधा के नाम पर अपनी जीवनशैली को बदल तो लिया, लेकिन इसके परिणामों पर गंभीरता से विचार नहीं किया। आज मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप, पाचन संबंधी समस्याएं और जीवनशैली से जुड़ी अनेक बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ फिर से मोटे अनाज, फाइबर युक्त भोजन और प्राकृतिक आहार अपनाने की सलाह दे रहे हैं। विडंबना यह है कि जिस खान-पान को हमने पिछड़ापन समझकर छोड़ दिया था, आज वही आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि में स्वास्थ्य का खजाना बन गया है।

भड़भूंजा संस्कृति के लुप्त होने से एक पूरा रोजगार तंत्र भी समाप्त हो गया। जो परिवार पीढ़ियों से इस व्यवसाय से जुड़े थे, वे आज दूसरे कामों की तलाश में भटक रहे हैं। उनकी कला, अनुभव और पारंपरिक ज्ञान धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है। यह केवल एक व्यक्ति या समुदाय की हानि नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक सांस्कृतिक पूंजी का नुकसान है। आज आवश्यकता केवल पुरानी यादों में खोने की नहीं, बल्कि इस विरासत के पुनर्मूल्यांकन की है। विद्यालयों, सामाजिक संगठनों और सांस्कृतिक मंचों को स्थानीय खान-पान और पारंपरिक व्यवसायों के संरक्षण के लिए अभियान चलाने चाहिए। गांवों में मेलों, उत्सवों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से धाणी-भूंगड़े, सत्तू और अन्य पारंपरिक खाद्य पदार्थों को बढ़ावा दिया जा सकता है। स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराकर भड़भूंजा समुदाय के रोजगार को भी पुनर्जीवित किया जा सकता है। 'भीम प्रज्ञा' की यह खोजपरक पहल केवल एक विलुप्त होते व्यवसाय की कहानी नहीं है, बल्कि उस सांस्कृतिक चेतावनी का संदेश है जो हमें अपनी जड़ों की ओर लौटने का आह्वान कर रही है। विकास का अर्थ अपनी पहचान खो देना नहीं होता। आधुनिकता और परंपरा का संतुलन ही स्वस्थ समाज का आधार बन सकता है।

अंततः प्रश्न यह नहीं है कि धाणी-भूंगड़े और भड़भूंजा क्यों गायब हो गए, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को अपनी इस सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना चाहते हैं या नहीं। यदि हमने समय रहते इन परंपराओं को नहीं बचाया, तो आने वाली पीढ़ियां इन्हें केवल किताबों और कहानियों में ही खोजती रह जाएंगी। धाणी-भूंगड़े का स्वाद केवल भोजन का स्वाद नहीं था, वह गांव की आत्मा का स्वाद था। भड़भूंजा केवल अनाज नहीं भूनता था, वह समाज के रिश्तों को भी तपाकर मजबूत बनाता था। इसलिए इस विरासत का संरक्षण केवल संस्कृति की रक्षा नहीं, बल्कि हमारी पहचान और स्वास्थ्य दोनों की रक्षा है।

टीकाराम जूली बोले- राज्य में सुरक्षित नहीं बेटियां

लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देने वाली भाजपा ढूंढ रही चुनाव टालने के बहाने

जयपुर

राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जयपुर में कहा- जो पार्टी आज लोकतंत्र और संविधान की बड़ी-बड़ी बातें कर रही हैं। वही पार्टी राजस्थान में पंचायत और स्थानीय निकाय चुनाव न करवाने के रोज नए-नए बहाने ढूंढ रही है। सच तो यह है कि भाजपा जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की हत्या कर रही है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के दिए हुए संविधान का गला घोंट रही है। कोर्ट द्वारा दी गई मियाद खत्म होने जा रही है, लेकिन प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनावों का कोई अता-पता नहीं है।

नारी वंदन का नाटक करने वाली सरकार में सुरक्षित नहीं बेटियां

टीकाराम जूली ने कहा- भाजपा केवल 'नारी वंदन' का ढोंग करती है और महिला आरक्षण की बड़ी-बड़ी बातें करती है। अलवर में 5 वर्षीय मासूम

बच्ची के साथ हुई हैवानियत ने राजस्थान को झकझोर कर रख दिया। यह घटना इंसानियत को शर्मसार करने वाली है, जिसने पूरे प्रदेश का सिर शर्म से झुका दिया है।

सीएम के काफिले के चक्कर में झुलसी पीड़िता से मिला प्रतिनिधि मंडल

टीकाराम जूली के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल प्रताप नगर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने पीड़िता रेशू गुप्ता और उनके परिजनों से मुलाकात की। गौरतलब है कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री के काफिले को निकालने के चक्कर में पुलिस ने पीड़िता रेशू गुप्ता के फूड स्टॉल को जबरन हटा दिया था और स्टॉल पर रखे खौलते हुए गर्म पानी से रेशू गुप्ता बुरी तरह झुलस गईं।

जूली ने कहा- एक तरफ सरकार वीआईपी कल्चर खत्म करने की बातें करती है। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री के काफिले के नाम पर एक गरीब बेटी की रोजी-रोटी को उजाड़कर उसे जिंदगी और मौत के मुंह में धकेल दिया जाता है।

देश के मतदाताओं ने सूझबूझ दिखाई, वरना बदल देते संविधान

टीकाराम जूली ने देश के जागरूक मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा- गनीमत है कि देश के वोटरों ने सूझबूझ दिखाई। इस बार भाजपा को उतनी सीटें नहीं दीं। वरना '400 पार' का खोखला नारा देने वाले ये लोग बाबा साहेब के बनाए पवित्र संविधान को ही बदल डालते। संविधान को खत्म करने की मंशा रखने वालों को देश की जनता ने संसद में ही सीमित कर दिया है, लेकिन राजस्थान में इनकी दमनकारी और अलोकतांत्रिक नीति अब भी साफ नजर आ रही है। जहां ये स्थानीय चुनावों से लगातार भाग रहे हैं।

पानी पर बढ़ता संघर्ष:आखिर पांचना बांध विवाद का जिम्मेदार कौन

360 गांवों के किसानों का सवाल– जीवनदायिनी धारा पर राजनीति कब तक?

भीम प्रज्ञा न्यूज़ करौली।

राजस्थान के पूर्वी हिस्से में स्थित पांचना बांध एक बार फिर सुर्खियों में है। कभी क्षेत्र की कृषि और पेयजल व्यवस्था की जीवनरेखा माना जाने वाला यह बांध आज विवाद, आंदोलन और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का केंद्र बन गया है। पांचना बांध के कमांड एरिया, कैचमेंट एरिया और गंभीर नदी क्षेत्र से जुड़े लगभग 360 गांवों के किसान अपने हिस्से के पानी की मांग को लेकर धरने-प्रदर्शन कर रहे हैं। सवाल केवल पानी का नहीं, बल्कि किसानों के भविष्य, सामाजिक सौहार्द और प्रशासनिक जवाबदेही का भी है।

क्या है पांचना बांध विवाद का मूल कारण?

पांचना बांध का निर्माण क्षेत्र में सिंचाई और जल संरक्षण के उद्देश्य से किया गया था। बांध से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के किसानों का दावा है कि जल वितरण की स्पष्ट और पारदर्शी नीति के अभाव में वर्षों से असंतोष बढ़ता जा रहा है। कहीं किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा, तो कहीं जल प्रबंधन को लेकर पक्षपात के आरोप लगाए जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती आबादी, भूजल दोहन, अनियमित वर्षा और जल

संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन की कमी ने समस्या को और जटिल बना दिया है।

भाजपा-कांग्रेस की राजनीति के बीच फंसा किसान

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले कई वर्षों में सत्ता चाहे भाजपा की रही हो या कांग्रेस की, किसी भी सरकार ने इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला। हर चुनाव में किसानों को आश्वासन मिले, समितियां बनीं, सर्वे हुए, लेकिन धरातल पर स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं, जबकि किसान पूछ रहे हैं कि आखिर पानी पर उनका संवैधानिक और नैतिक अधिकार कब सुनिश्चित होगा?

सामाजिक तनाव की बढ़ती आशंका

सबसे गंभीर पहलू यह है कि जल संकट अब केवल संसाधन का प्रश्न नहीं रह गया है। कई क्षेत्रों में पानी के बंटवारे को लेकर सामाजिक और जातीय तनाव की स्थिति बनने लगी है। यदि समय रहते समाधान नहीं निकाला गया तो यह विवाद सामाजिक समरसता के लिए भी चुनौती बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जल संसाधनों पर संघर्ष केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए भविष्य की बड़ी चुनौती है। इसलिए सरकार को संवेदनशीलता और दूरदर्शिता के साथ हस्तक्षेप करना होगा।

समाधान क्या हो सकता है?

जल विशेषज्ञों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि समस्या का समाधान केवल राजनीतिक बयानबाजी से नहीं निकलेगा। इसके लिए पांचना बांध विवाद पर उच्च स्तरीय स्वतंत्र समिति गठित की जाए।कमांड एरिया, कैचमेंट एरिया और गंभीर नदी क्षेत्र के प्रतिनिधियों को साथ लेकर सर्वदलीय एवं सर्वसमाज संवाद स्थापित किया जाए। जल वितरण की वैज्ञानिक एवं पारदर्शी नीति बनाई जाए। बांध में उपलब्ध जल, वितरण और उपयोग का सार्वजनिक डाटा जारी किया जाए। जल प्रबंधन में स्थानीय किसान संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।भविष्य के लिए वर्षा जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण की व्यापक योजना बनाई जाए।

जनहित सर्वोपरि

पांचना बांध का मुद्दा किसी एक गांव, जाति या राजनीतिक दल का नहीं है। यह हजारों किसानों, उनके परिवारों और क्षेत्र के सामाजिक सौहार्द से जुड़ा प्रश्न है। पानी पर संघर्ष कभी भी स्थायी समाधान नहीं दे सकता। समाधान केवल संवाद, पारदर्शिता और न्यायपूर्ण वितरण से ही संभव है।

धरना क्यों दे रहे हैं किसान?

धरनारत किसानों का कहना है कि उन्हें अपने हिस्से का पानी नहीं मिल रहा है। खरीफ और रबी दोनों फसलों पर संकट गहराता जा रहा है। कई गांवों में सिंचाई के अभाव में कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। किसानों का आरोप है कि प्रशासनिक स्तर पर उनकी बात सुनने के बजाय मामले को टालने की कोशिश की जा रही है।

तिरंगे में लिपटकर घर लौटा वीर सपूत, ITBP सब इंस्पेक्टर रणवीर सिंह को सैनिक सम्मान के साथ अंतिम विदाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

झुंझुनूं जिले के बुहाना उपखंड के भुरीवास गांव का वीर सपूत आईटीबीपी सब इंस्पेक्टर रणवीर सिंह (41) गुरुवार को पूरे सैनिक सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन हो गया। सड़क हादसे में असामयिक निधन के बाद जब उनका पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटकर गांव पहुंचा तो पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और हर आंख नम हो उठी। जानकारी के अनुसार रणवीर सिंह

वर्ष 2008 में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) में भर्ती हुए थे। उन्होंने करीब 18 वर्षों तक देश की सेवा करते हुए विभिन्न स्थानों पर अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। वर्तमान में उनकी तैनाती बेसिक ट्रेनिंग सेंटर चंडीगढ़-पंचकूला में थी। छुट्टी पर घर आए रणवीर सिंह बुधवार को भुरीवास से कुहाड़वास रोड पर बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक कार से उनकी टक्कर हो गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। गुरुवार को जैसे ही उनका पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटकर गांव पहुंचा, अंतिम दर्शन के लिए लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भारत माता के जयकारों, वंदे मातरम् और 'रणवीर सिंह अमर रहें' के नारों से पूरा गांव गूंज उठा। आईटीबीपी के

जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपने साथी को अंतिम सलामी दी। सैनिक सम्मान के साथ हुए अंतिम संस्कार के दौरान माहौल बेहद भावुक हो गया। रणवीर सिंह अपने पीछे पिता मोहर सिंह, पत्नी, दो बेटियों और दो भाइयों को छोड़ गए हैं। उनकी बड़ी बेटी 13 वर्ष तथा छोटी बेटी 7 वर्ष की है। परिवार के मुखिया और क्षेत्र के गौरव रहे रणवीर सिंह के निधन से भुरीवास सहित पूरे बुहाना क्षेत्र में शोक व्याप्त है। अंतिम यात्रा में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा हजारों ग्रामीणों ने भाग लेकर वीर सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित की। क्षेत्रवासियों ने कहा कि रणवीर सिंह का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा और देश सेवा के लिए उनका समर्पण हमेशा याद रखा जाएगा।

निर्जला एकादशी पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने पिलाई नींबू शिकंजी व शरबत

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

निर्जला एकादशी के अवसर पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, सिंघाना इकाई की ओर से कस्बे के रीको स्थित अस्पताल के पास राहगीरों, मरीजों के परिजनों एवं स्थानीय लोगों को नींबू की शिकंजी एवं शरबत वितरित किया गया। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्य की लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महावीर यादव (ठेकेदार) तथा विशिष्ट अतिथि मुन्ना राजोरा रहे। ट्रस्ट प्रभारी नरेंद्र स्वामी ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से सुबह से ही राहगीरों, आसपास के दुकानदारों, अस्पताल आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को ठंडा शरबत और नींबू शिकंजी पिलाकर राहत पहुंचाई गई। मुख्य अतिथि महावीर यादव ने कहा कि लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट समाजहित में निरंतर सराहनीय कार्य कर रहा है। ट्रस्ट न केवल जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करता है, बल्कि विभिन्न अवसरों पर सामाजिक सेवा के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाता है।उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों के साथ त्योहार मनाना, बरसात के मौसम में समय-समय पर भोजन वितरण करना तथा सर्दियों में कंबल वितरण जैसे कार्य मानव सेवा की मिसाल हैं। ऐसे सेवा कार्य समाज को सकारात्मक संदेश देते हैं और लोगों को परोपकार के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने शिकंजी एवं शरबत ग्रहण किया तथा ट्रस्ट के सेवा कार्यों की प्रशंसा की।

निर्जला एकादशी पर बाबा दयाल मंदिर में गूंजे भक्ति रस के भजन, श्रद्धालु झूमने पर हुए मजबूर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर धन्नौदा स्थित बाबा दयाल मंदिर परिसर में भव्य भजन-कीर्तन एवं सत्संग का आयोजन किया गया। गांव एवं आसपास क्षेत्र की महिलाओं की ओर से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति रस का आनंद लिया। कार्यक्रम में खलील राणा म्यूजिकल ग्रुप खुंदरोठ के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा वाचक अजित शास्त्री के सानिध्य में आयोजित सत्संग में गायक उज्जवल शर्मा ने 'जोहड़ के ऊपर दयाल बाबा तेरी ज्योत जले बड़ी प्यारी' भजन प्रस्तुत किया, जिस पर उपस्थित श्रद्धालु झूमने पर मजबूर हो गए। युवा गायक हरिश बंजारा ने 'जिनको लगी बाबा से लग्न उन पर सदा हुए प्रसन्न' तथा 'हनुमान बजरंगी मेरे सियाराम बजरंगी' जैसे भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। महिलाओं ने तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। वहीं तिलक जांगड़ा ने अपने भजन 'काली ने श्मशाणा में जिमाके देख ले' की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भक्ति में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान रजनीकांत एवं दीपक ने भी मधुर भजनों की प्रस्तुति दी।सत्संग के समापन पर महिलाओं की ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं ठंडाई वितरित की गई।

पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में बनाएं करियर

आप पेंटिंग या ड्राइंग के साथ अपना स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। पेंटिंग डिपार्टमेंट से आप म्यूरल के लिए भी जा सकते हैं।

बदलते समय के साथ लोगों की सोच भी बदल रही है, खास कर ऐसे माता- पिता की जो अपने बच्चों पर बचपन से ही डॉक्टर-इंजीनियर बनने का दबाव डालते और इसे ही करियर के लिए सबसे बेहतर मानते थे। आज के समय में करियर के कई विकल्प खुल गए हैं। अब सिर्फ कॉमर्स या साइंस जैसे स्ट्रीम ही करियर की संभावना नहीं रह गया है। यही कारण है की मां-बाप अपने बच्चों को पसंद के अनुसार अपना करियर बनाने का मौका दे रहे हैं। इस समय फैशन एक ऐसा क्षेत्र है जो युवाओं को खुलकर जीने का मौका दे रहा है, जिससे आज युवा बैचलर ऑफ फाइन आर्ट की तरफ आकर्षित हो रहे हैं और पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में अपनी प्रतिभा निखारने के साथ अपना करियर बना रहे हैं।

क्या है बैचलर ऑफ फाइन आर्ट

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का स्वरूप बहुत बड़ा है। इसमें छात्रों को नृत्य, चित्र, फोटोग्राफी, फिल्म, वास्तुकला, आदि की शिक्षा दी जाती है। यह कोर्स आप 12वीं के बाद कर सकते हैं, ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों में बीएफए चार सालों का कोर्स होता है। शुरूआती सालों में आपको विजुअल आर्ट के सभी विषयों की जानकारी दी जाती है लेकिन अंतिम साल में आपको स्पेशलाइजेशन के रुप में एक विषय चुनना होता है।

जरूरी स्किल

अगर आप इस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते है तो आपको कला की अच्छी समझ होनीं चाहिए। इसके लिए आपमें कल्पनाशीलता और क्रिएटिविटी जैसी स्किल की बेसिक जानकारी जरूरी है। इसके अलावा थिंकिंग पावर और ड्राइंग, पेंटिंग, स्कैचिंग की अच्छी समझ होना जरूरी है। वहीं इस फील्ड के लिए आप नए- नए एक्सपेरिमेंट करते रहना जरूरी है, जिससे आपकी कला का और विकास हो सके। एक पेंटर के रूप में, एक उम्मीदवार विभिन्न कलाकृतियां बना सकता है जैसे कि वाटर कलर पेंटिंग, ऑइल पेंटिंग, इंक वॉश पेंटिंग, ऐक्रेलिक पेंटिंग, पेस्टल कलर पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग, एनकॉस्टिक पेंटिंग आदि। एक पेंटर आमतौर पर स्वतंत्र रूप से काम करता है या उसका प्रदर्शन करता है।

करियर

यह एक ऐसा सेक्टर है जहां पर छात्रों को बीएफए कोर्स करने के बाद आसानी से जॉब मिल जाती है। आज कल बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स में काफी बच्चों को दिलचस्पी होती है। बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स एडवरटाइजिंग कम्पनीज, आर्ट स्टूडियोज, बाउटिकेस आदि जगहों पर जॉब कर सकते हैं। आज के समय में बैचलर ऑफ फाइन आर्टस का क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं अच्छी पेंटिग्स भी लाखों- करोड़ो रुपए में बिक रही हैं, जिससे कलाकारों को उसका पूरा फायदा भी मिल रहा है। अगर आप चाहें तो आप इसमें एमए करके रिसर्च के लिए जा सकते हैं और इसके बाद आप किसी प्राइवेट संस्थान या किसी सरकारी कॉलेज में पढ़ा सकते हैं। वैसे तो कोर्स पूरा होने के पहले ही अगर आपने मेहनत की तो आपको सफलता मिलनी शुरू हो जाती है, ज्यादातर को प्राइवेट संस्थानों में, घरों और ऑफिसों, सरकार की तरफ से दीवारों को सजाने या उनपर पेंट, पोर्ट्रेट बनाने जैसे काम मिलने शुरू हो जाते हैं। फ्रीलांस आर्टिस्ट के तौर पर भी आप कार्य कर सकते हैं।

क्या होती है जॉब प्रोफाइल

एक पेंटर बनने के लिए आपको बीए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, बीएफए पेंटिंग, बीए इन पेंटिंग, बीए इन विजुअल आर्ट्स, बीएफए एप्लाइड आर्ट्स, एमएफए, एमए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, डिप्लोमा इन पेंटिंग का कोर्स करना पड़ेगा। जिसके बाद आप पेंटर, क्राफ्ट आर्टिस्ट, विजुअलाइजेशन प्रोफेशनल, इलेस्ट्रेटर, डिजिटल डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, आर्ट प्रोफेशनल, आर्ट डायरेक्टर, आर्ट कंजरवेटरआर्ट, डनेपनउ, आर्ट रेस्टोरेशन स्पेसलिस्ट, मुरलिस्ट पेंटर, कॉमिक आर्टिस्ट, एंटीरियर डिजाइनर से जॉब प्रोफाइल पर कार्य कर सकते हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में बनाएं करियर

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है।

जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं:

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- बीमा क्षेत्र
- वित्तीय संस्थाए
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

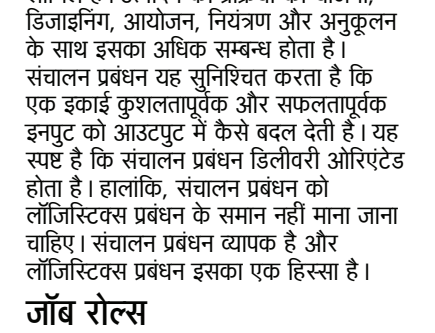

आज के समय में हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है लाइब्रेरी साइंस का कोर्स

स्कूल कॉलेज हों या फिर सरकारी व प्राइवेट संस्थान हर जगह डॉक्यूमेंट्स को संभालने व संरक्षण करने के लिए लाइब्रेरी का उपयोग होता है। इस लाइब्रेरी में किताबों की देखभाल करने वाले को लाइब्रेरियन कहा जाता है।

अगर आपको भी किताबों से प्यार है और ज्ञान के भंडार के बीच अपना समय बीताना चाहते हैं, तो लाइग्ररियन बन सकते हैं, इसके लिए आपको लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करना पड़ेगा, जिसके बाद आप लाइब्रेरी अटेंडेंट, लाइब्रेरी असिस्टेंट, जूनियर लाइब्रेरियन और लाइब्रेरियन जैसे पदों पर रहकर अच्छा करियर बना सकते हैं।

क्या है लाइब्रेरी सांइस का कोर्स

लाइब्रेरी साइंस का दायरा काफी बड़ा है, आज के समय यह एक हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है। इसलिए इसमें करियर के अवसर भी काफी ज्यादा नजर आ रहे हैं। इस कोर्स के तहत छात्रों को लाइब्रेरी और इंफॉर्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट, डॉक्यूमेंटेशन, मैनुस्क्रिप्ट, कैटलॉग, बिबलियोग्राफी आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। इस क्षेत्र में अगर आप करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको कंप्यूटर की बेसिक जानकारी भी होना जरूरी है। क्योंकि आजकल सारे डेटा और रिकॉर्ड कंप्यूटर पर ही रखे जाते हैं।

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स

अगर आप लाइब्रेरी साइंस में करियर बनाना चाहते हैं तो आप डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए कैंडिडेट्स को किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना चाहिए। वहीं बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस या बैचलर इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के लिए आपको किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट होना होगा। बैचलर करने के बाद आम मास्टर इन लाइब्रेरी साइंस भी कर सकते हैं। इसके बाद आप एमफिल या पीएचडी कर रिसर्च या टीचिंग के सेक्टर में भी जा सकते हैं।

करियर स्कोप क्या है

लाइब्रेरी साइंस में इस समय जॉब्स की कमी नहीं है, लाइब्रेरी साइंस में ग्रेजुएट होने के बाद आप सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर में जॉब कर सकते हैं। जिस तरह से दिन- प्रतिदिन यूनिवर्सिटी और कॉलेज की संख्या बढ़ रहा है, ठीक उसी प्रकार इस सेक्टर में जॉब के अवसर भी बढ़ रहे हैं। आप किसी भी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, प्राइवेट संस्थान, प्राइवेट लाइब्रेरी, म्यूजियम आदि में लाइब्रेरियन के तौर पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा न्यूजपेपर और न्यूज चैनल्स में भी लाइब्रेरियन की नियुक्ति की जाती हैं। अब तो कॉरपोरेट कंपनियों में भी लाइब्रेरी को प्रमोट किया जाता है, ऐसे में यहां पर भी अच्छी सैलेरी के साथ जॉब मिल सकती है। अब जमाना डिजिटल हो चुका है, इसलिए अब ऑनलाइन लाइब्रेरी या कंप्यूटर लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी का चलन तेजी से बढ़ा है।

करियर ऑप्शन क्या है

अब लाइब्रेरी साइंस काफी विकसित सेक्टर के रूप में जाना जाता है। जिसकी जरूरत हर जगह पर पड़ती है। जिसके कारण इस क्षेत्र में करियर के अनेक ऑप्शन हैं। आप कोर्स पूरा कर निम्न पदों पर रहकर करियर बना सकते हैं। जिसमें जूनियर लाइब्रेरियन, सहायक लाइब्रेरियन, डिप्टी लाइब्रेरियन, लाइब्रेरियन, लाइब्रेरी अटेंडेंट, पुस्तकालय सहायक, शोधकर्ता व वैज्ञानिक, सलाहकार, तकनीकी सहायक, अभिलेख प्रबंधक, सूचना केंद्र का प्रमुख, वरिष्ठ सूचना विश्लेषक, कानून लाइब्रेरियन, इंडेक्सर, सूचना वास्तुकार, पुरालेखपाल शामिल है।

कितनी मिलती है सैलरी

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स करने के बाद आप प्रेशर के तौर पर 20 से 30 हजार रूपए कमा सकते हैं, इसके बाद जिस तरह से आपका अनुभव बढ़ेगा, उसी के अनुसार आपका पद और वेतन भी बढ़ेगा। वहीं अगर आपकी जॉब गवर्नमेंट सेक्टर में लग गया तो आप हर माह लाखों रुपए कमा सकते हैं।

आईआईटी में एडमिशन दिलाएंगी ये टिप्स

देश में इंजीनियर बनने की चाह रखने वाले हर स्टूडेंट की चाहत होती है कि वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) से इंजीनियरिंग करे। आईआईटी में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स को जेईई मेन एवं जेईई एडवांस परीक्षा पास करनी होती है। यहां हम आपको तैयारी के लिए कुछ आसान टिप्स बता रहे हैं।

बनाएं स्टडी प्लान

सबसे पहले सिलेबस के अनुसार अपना स्टडी प्लान बनाएं। जेईई मेन और जेईई एडवांस दोनों के सिलेबस लगभग समान होते हैं।

सेट करें वीकली और डेली टारगेट

स्टडी के लिए न्यूनतम घंटे तय करें। इसके साथ ही डेली या वीकली टारगेट सेट करें।

एनसीईआरटी की लें मदद

बेसिक तैयारी के लिए एनसीईआरटी बुक्स बहुत अच्छी मानी जाती हैं। इस कारण 11वीं से ही इन बुक्स से तैयारी करें।

क्लियर करें कॉन्सेप्ट

जेईई परीक्षा में आपके बेसिक्स की जांच होती है। पहले बेसिक कॉन्सेप्ट को समझें और इसके लिए थ्योरी पार्ट को पढ़ें।

स्मार्ट स्टडी

हार्ड वर्क के साथ ही स्मार्ट वर्क करें। इसके लिए नोट्स बनाएं, इंपोर्टेंट प्वाइंट्स, फॉर्मूला, शॉर्टकट, रिएक्शन आदि के साथ स्मार्ट स्टडी करें।

मॉक टेस्ट पेपर

अपनी स्पीड, लर्निंग एक्यूरेसी और टाइम मैनेजमेंट स्किल को परखने के लिए ऑनलाइन मॉक टेस्ट पेपर सॉल्व करें।

कर सकते हैं कोचिंग

टफ और डाउट वाले प्रश्नों को आसानी से समझने के लिए आप कोचिंग भी ज्वॉइन कर सकते हैं।

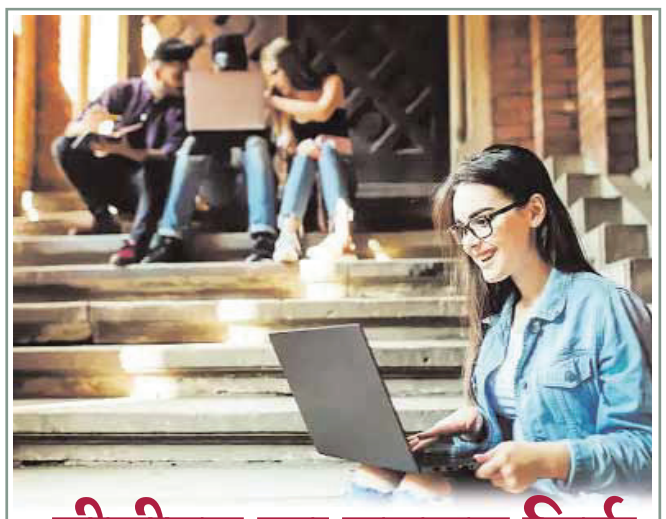

पीसीएम का मतलब सिर्फ इंजीनियर बनना ही नहीं

छात्रों के बीच एक आम धारणा है कि 12वीं में मैथ्य लेने का मतलब है इंजीनियरिंग करना और साइंस लेने का मतलब है डॉक्टर बनना, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर बच्चा सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना चाहता है। कई बच्चे ऐसे भी हैं जो अलग फील्ड में जाना चाहते हैं।

बन सकते हैं पायलेट

अगर आप बचपन से उड़ते हुए प्लेन को देख कर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं और इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आप पायलट पाठ्यक्रम भी चुन सकते है। इसका कोर्स प्राइवेट कॉलेज भी करवाते है। हवाई यात्रा सस्ती होने के साथ, विमान उद्योग तेज गति उन्नति कर रहा है और वाणिज्यिक पायलटों की आवश्यकता भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। यदि आप आकाश में उड़ना चाहते हैं और पायलट बनना कहते है तो यह कोर्स आपके लिए परफेक्ट है।

मर्चेंट नेवी

यह कोर्स आज के समय में बेहतर ऑप्शंस है। इसमें आप मरीन इंजीनियरिंग, नॉटिकल साइंस, शिप मेंटेनेंस आदि कोर्स कर सकते हैं। यह देश में सबसे अधिक सैलरी देने वाले कोर्सेज में से एक है। इसमें आपको कई देशों का सफर करने का मौका मिलता है तथा देश की सेवा करने का भी मौका मिलता है। काफी युवा छात्र मर्चेंट नेवी को अपना करियर बनाते है यह छात्रों की एक मनपसंद फील्ड है।

एनीमेशन का फील्ड

अगर आप क्रिएटिव हैं तो एनीमेशन के फील्ड में जा सकते हैं। 12वीं के बाद एनीमेशन की फील्ड में करियर बनाने का सपना काफी छात्रों का होता है। एनीमेशन की फील्ड काफी ज्यादा क्रिएटिव और मनोरंजक फील्ड है। इसमें छात्रों को कुछ नया करने को मिलता है। आज कल के समय में एनिमेटेड मूवीज, कार्टून्स काफी ज्यादा लोकप्रिय है ऐसे में एनीमेशन की फील्ड में बहुत कुछ कर दिखने का मौका है।

वीडियो गेम

कोरोना के बाद वीडियो गेम उद्योग बूस्ट पर चल रहा है। भारत में आज कई इंटरनेशन व नेशनल कंपनियां इस फील्ड में काम कर रही हैं। इस फील्ड में आपको कंप्यूटर लैंग्वेज पढ़ाई जाएगी और ग्राफिक डिजाइनिंग के बारे सिखाया जाता है। इस फील्ड में भी बहुत ज्यादा क्रिएटिविटी की जरुरत है। इस फील्ड में वेतन भी बहुत अच्छा है तथा भविष्य भी बहुत बढ़िया है।

एप डेवलपर

इस समय डिजिटल दुनिया में सब कुछ ऑनलाइन होता जा रहा है ऐसे में एप डेवलपर का भविष्य बहुत ही अच्छा है। आप एप डेवलपिंग का कोर्स ज्वाइन कर के अपना करियर इस फील्ड में बना सकते है। इसमें वेतन भी बहुत ज्यादा मिलता है। आजकल सभी लोग अपना व्यवसाय ऑनलाइन करते जा रहे है ऐसे में सभी अपना एप बनवाते है और अपने बिजनेस को या प्रोडक्ट तो प्रमोट करते है इसलिए यह भी एक बहुत अच्छा करियर ऑप्शन है।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

आज के समय में यहां सैकड़ों आईटी फर्म हैं और दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। और ये आईटी फर्म एक बढ़िया 7 फिगर सैलरी देती है अपने सॉफ्टवेयर डेवलपर को। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल ये सभी कम्पनीज सॉफ्टवेयर डेवलपर हायर करती है और अच्छा वेतन देती है। आजकल तो सभी बैंक्स भी ऑनलाइन हो गए है और लगभग सभी ऑफिसेस भी अपना सॉफ्टवेयर डेवेलप करवाते है। ऐसे में ये एक ऐसा करियर है जिसमे कभी पीछे नहीं मुड़ना पड़ेगा। सभी आईटी फरम्स सॉफ्टवेयर डेवलपर को रखती है और अच्छा वेतन देती है।

बीसीए भी है ऑप्शन

अगर आप 12 वीं के बाद करियर ऑप्शन देख रहे हैं तो आपके लिए बीसीए एक बढ़िया करियर ऑप्शन हो सकता है। अगर आपको कंप्यूटर में इंटरेस्ट है तो बीसीए आपके लिए बढ़िया चुनाव रहेगा। बीसीए करने के बाद आप किसी अच्छी आईटी कंपनी में जॉब कर सकते है और अगर आप बीसीए के बाद पोस्ट ग्रेजुएट एमसीए भी कर लेंगे तो कंप्यूटर की फील्ड में एक अच्छा करियर बना सकते है तथा उच्च वेतन की नौकरी भी मिल सकती है।

निःशुल्क पुस्तकालय बना युवाओं की सफलता का केंद्र, भारतीय सेना में चयनित रोहित चौहान का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा। कस्बे के मुख्य बाजार स्थित श्री युवक सभा पुस्तकालय भवन में संचालित निःशुल्क पुस्तकालय युवाओं के करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां नियमित अध्ययन कर जिले के अनेक छात्र-छात्राओं ने पुलिस भर्ती एवं प्राथमिक शिक्षक भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। इसी क्रम में भारतीय सेना में चयनित हुए विद्यार्थी रोहित चौहान के सम्मान में भाजपा नेता दिनेश धाबाई के नेतृत्व में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर धाबाई ने रोहित चौहान को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पुस्तकालय केवल अध्ययन का केंद्र नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को साकार करने का सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते हुए पुस्तकालय की सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर मेहनत करने का आह्वान किया।समारोह में रोहित चौहान का शॉल ओढ़ाकर, साफा पहनाकर, श्रीफल एवं माला भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रमोद देवड़ा, किशोर सिंह राठौड़, संदीप शर्मा, सुनील सैनी, शिवचरण गाड़ोदिया, जितेन्द्र सुरोलिया, बाबूलाल यादव, सज्जनलाल सैनी, पुस्तकालय स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अंत में सुनील सैनी ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री आए लक्ष्मणगढ़, पीसीसी चीफ पर कसा तंज

शिक्षा के साथ संस्कार, नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों का होना भी आवश्यक-शिक्षा मंत्री दिलावर

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर बुधवार को लक्ष्मणगढ़ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय विधायक व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर तंज कसते हुए कहा कि जब मैंने लक्ष्मनगढ में प्रवेश किया तो यह देखकर बड़ी तकलीफ़ हुई कि लक्ष्मनगढ में खड्डे ज्यादा नजर आए जो लगा कि उनका काम तो पेपर आउट कराके लूटने का ही था क्या? शिक्षा मंत्री यहां पी.एम. चामड़िया आदर्श विद्यालय के नवीन भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने संबोधित करते हुए कहा कि शेखावाटी क्षेत्र शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। यहां के आर्थिक रूप से संपन्न लोगों ने शिक्षा की अलख जगाकर इस क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने मूल्य आधारित शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार, नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों का होना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अंग्रेजी भाषा का ज्ञान आवश्यक है, लेकिन अपनी मातृभाषा का महत्व भी उतना ही है।शिक्षा मंत्री ने सभी लोगों, विशेषकर युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी को समभाव, सद्भाव और समानता की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए, तभी देश मजबूत होगा। उन्होंने घुमंतू जातियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने एवं शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में घुमंतू समुदायों के विद्यार्थियों के लिए 20 छात्रावास संचालित किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में 12 करोड़ से अधिक निशुल्क शौचालयों का निर्माण किया गया है, जिनके लिए प्रत्येक परिवार को 12 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई गई। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत को प्रतिमाह 1 लाख रुपए की राशि साफ-सफाई के लिए दी जा रही है। यदि इस राशि का अन्य कार्यों में उपयोग किया जाता है तो संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों से इसकी वसूली की जाएगी।इस दौरान उन्होंने सभी को दैनिक जीवन में पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने का संकल्प दिलाया तथा अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ धरती के लिए पेड़ लगाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य में पेपर लीक रोकने के लिए सरकार द्वारा कड़े कदम उठाए गए हैं तथा सरकारी विद्यालयों में सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। इससे पूर्व संस्था चैयरमेन विष्णु चमडिया व प्रिंसिपल विनीता पुजारी के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री व अतिथियों का माल्यार्पण, पुष्पगुच्छ,साल शाफा व प्रतिक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।?इस अवसर पर पालवास के संत चन्द्रमा दास महाराज,पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, खंडेला विधायक सुभाष मील, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ कमल सिखवाल संस्था संचालक उद्योगपति भामाशाह विष्णु चमडिया, उद्योगपति अरुण चमडिया, राजकुमार चमडिया, लक्ष्मीकांत चमडिया, शशिकांत चमडिया, रविकांत चमडिया,गिरीश चतडिया, विकास डीडवानिया, नरेश जालान, ललित भूत,रतन चिराणिया, उपखंड अधिकारी मोहर सिंह मीणा, पुलिस उप अधीक्षक दिलीप मीणा, पूर्व चेयरमैन हरिप्रसाद पुजारी, व्यवसायी रामस्वरूप सोमानी,पवन गोयनका, लक्ष्मीकांत चुडीवाला, विमल चिराणिया, संदीप बजाज, अनिल सोमानी, प्रमोद चिराणिया, लख्खी बादुसरिया,कमल तोदी, आलोक पाराशर, मधु दायमा, एडवोकेट ललित पुरोहित, रणबीर भास्कर, अरुण सैन, राजकुमार भास्कर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मधु शर्मा ने किया। जबकि संस्थान प्राचार्य विनीता पुजारी ने आभार जताया।

भीषण गर्मी में मानवता की मिसाल: जालावास में निर्जला ग्यारस पर लगी मीठे पानी की छब्बील, राहगीरों को मिली राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर।

रमेशचंद। भीषण गर्मी और लू के बीच जालावास गांव के ग्रामीणों ने सेवा और मानवता की अनूठी मिसाल पेश की। निर्जला ग्यारस के अवसर पर गुरुवार 25 जून 2026 को गांव के युवाओं और बुजुर्गों ने स्कूल के पास मीठे पानी की छब्बील लगाकर राहगीरों को ठंडा-मीठा पानी पिलाया।दिनभर चलने वाली इस सेवा से तेज धूप और गर्म हवाओं से परेशान राहगीरों को बड़ी राहत मिली। छब्बील का शुभारंभ कांग्रेस के युवा नेता धाकड़ यादव ने किया। ग्रामीणों ने बताया कि गर्मी में प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है, इसी भावना से यह आयोजन किया गया। छब्बील में गांव के देशराज, मनोज मनेठी, सचिन मोलावास, महेश दिल्ली वाले, संजू यादव, जतिन, प्रशांत सहित बड़ी संख्या में युवाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। पानी के साथ शरबत की भी व्यवस्था की गई। राहगीरों ने ग्रामीणों के इस सेवा भाव की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। ग्रामवासियों ने कहा कि निर्जला ग्यारस पर जालावास से नीमराना तक कई स्थानों पर छब्बीलें लगाकर सेवा की गई, जिसमें मोलावास , जाट बहरोड और नीमराना तक जगह-जगह लोगो न छब्बील लगाई । उन्होंने संकल्प लिया कि आगे भी इसी तरह सामाजिक सेवा और जनहित के कार्य निरंतर किए जाएंगे, ताकि जरूरतमंद लोगों को राहत मिल सके और समाज में भाईचारे व मानवता का संदेश मजबूत हो।

जयपुर संभाग के संयुक्त निदेशक ने किया बीडीके अस्पताल का निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर जताया संतोष

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

झुंझुनूं जिले के सबसे बड़े राजकीय बीडीके अस्पताल का गुरुवार को जयपुर संभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. यदूराज सिंह नाथावत ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. नाथावत ने ओपीडी कक्ष में चिकित्सकों एवं मरीजों से बातचीत कर फीडबैक लिया। उन्होंने अस्पताल में विभिन्न विशेषज्ञताओं के चिकित्सकों की उपलब्धता पर संतोष व्यक्त किया। टीकाकरण कक्ष में एएनएम द्वारा यू-विन पोर्टल पर किए जा रहे पंजीकरण, ड्यूटी व्यवस्था एवं शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही आगामी पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। ब्लड बैंक निरीक्षण के दौरान प्रभारी डॉ. राकेश कुमार से रक्त की उपलब्धता एवं रक्तदान शिविरों की जानकारी ली। डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि ब्लड बैंक प्रतिवर्ष करीब 5 हजार मरीजों को रक्त एवं उसके घटक उपलब्ध कराता है, जिससे एनीमिया, थैलेसीमिया तथा शल्य चिकित्सा से जुड़े मरीजों को लाभ मिलता है। संयुक्त निदेशक ने मेडिसिन एवं सर्जरी वार्डों का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने वार्डों में लगाए गए जंबो कूलरों के माध्यम से मरीजों को राहत पहुंचाने की व्यवस्था को अनुकरणीय बताया। लेबर रूम में भर्ती हरियाणा से आई गर्भवती महिला से भी बातचीत कर अस्पताल में उपलब्ध प्रसूति सेवाओं की जानकारी ली।ऑपरेशन थिएटर में ऑपरेशन पूर्व एवं ऑपरेशन पश्चात प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने, ओटी सूची एवं प्रतीक्षा सूची समय पर तैयार करने के निर्देश दिए गए। पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि अस्पताल में प्रतिदिन 2500 से अधिक मरीजों की ओपीडी होने के कारण एक अतिरिक्त काउंटर शुरू किया गया है तथा शीघ्र ही दो और काउंटर स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आईसीयू में 24 घंटे चिकित्सकों की ड्यूटी लगाकर गहन चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ किया गया है। साथ ही लैब, एक्स-रे, सीटी स्कैन एवं ब्लड बैंक सेवाएं भी 24म7 संचालित की जा रही हैं। आरसीएच समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. नाथावत ने अधिकाधिक एएनसी पंजीकरण, पीएमएसएमए के तहत उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान एवं पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल की मातृ एवं शिशु मृत्यु दर के बेहतर आंकड़ों पर चिकित्सकों एवं कार्मिकों को बधाई दी।निरीक्षण के दौरान रेडियोलॉजिस्ट एवं अस्थि रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव भेजने तथा ट्रॉमा सेंटर को और अधिक क्रियाशील बनाने हेतु आवश्यक बजट उपलब्ध कराने के संबंध में भी सुझाव लिए गए। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर, पीएमओ डॉ. जितेंद्र भाम्बू, डॉ. डीएन सिंह, डॉ. कमल अग्रवाल, डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, डॉ. प्रियंका शेखसरिया, डॉ. नरेंद्र काजला, डॉ. श्यामलाल, डॉ. आकाश जाखड़, डॉ. नावीद, नर्सिंग अधीक्षक ओमप्रकाश जांगिड़ सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

11 हजार केवी लाइन का तार टूटकर गिरा घरों पर, बाल-बाल बचे लोग; ग्रामीणों ने नई आर्म्ड लाइन की मांग की

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद। ढाणी नया कुआं आबादी में कालूराम पुत्र श्योचंद यादव के घर के ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी की बिजली लाइन दो बार टूटकर मकान पर गिर चुकी है। चार माह पहले भी यही लाइन घर पर टूटी थी, तब भगवान की कृपा से कोई जनहानि नहीं हुई थी। सोमवार को दोबारा उसी स्थान पर तार टूटकर गिर गया, लेकिन सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। घटना के समय घर की मालकिन संतोष देवी गेट पर खड़ी थीं। तार गिरते ही उन्होंने भागकर अपनी जान बचाई और तुरंत चिल्लाकर शोर मचाया। बेटे सतीश ने आवाज सुनकर मौके पर पहुंचकर बिजली विभाग को फोन कर लाइन बंद करवाई। कुछ समय पहले वहां भैंस बंधी थी, लेकिन उसे पहले ही दूसरे स्थान पर बांध दिया गया था। घटना की सूचना मिलते ही नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेदप्रकाश सैनी, जिला उपाध्यक्ष ओबीसी संजय झगडोलिया, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद चर्खिया, कालूराम के परिवारजन और आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे। इनमें संपतराम, अशोक, भरतरी, मनोज, बलकेश, समुद्र सिंह, विजय सिंह, विक्रम, सतीश, संतोष देवी, चंपा देवी, सरल, कुसुम आदि शामिल थे। सभी ग्रामीणों ने इकट्ठे होकर काफी देर हंगामा किया और बिजली विभाग को हाय-हाय कहकर नारे लगाए। बिजली विभाग से जेईएन आशीष, लाइनमैन मनीष और उनकी टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मांग की कि बार-बार टूटने वाली पुरानी लाइन को हटाकर नई आर्म्ड लाइन लगाई जाए और लाइन को घरों के ऊपर से हटाकर थोड़ा साइड से निकाला जाए, ताकि भविष्य में कोई अनहोनी न हो। नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेदप्रकाश सैनी ने एईएन को फोन कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और लाइन को तत्काल ठीक कर नई लाइन लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने साफ कहा कि घनी आबादी के बीच से गुजर रही यह लाइन ग्रामीणों के लिए खतरा बनी हुई है। जब तक यह लाइन दूसरी जगह शिफ्ट नहीं होगी, तब तक हम इस लाइन को दुरुस्त नहीं करने देंगे। प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की गई।

चिड़ावा में लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने बांटा ठंडा जलजीरा, राहगीरों को मिली भीषण गर्मी से राहत

छठी बार लगातार ट्रस्ट द्वारा आयोजित हुआ सेवा शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

भीषण गर्मी और झुलसाती धूप के बीच निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, चिड़ावा द्वारा एक सराहनीय सेवा कार्य किया गया। ट्रस्ट की ओर से लगातार छठे वर्ष भी अपनी परंपरा को निभाते हुए संकट मोचन द्वारकाधीश मंदिर के सामने विशाल शीतल पेय एवं जलजीरा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान वहां से गुजरने वाले सैकड़ों राहगीरों को ठंडा-चटपटा जलजीरा पिलाकर गर्मी से राहत पहुंचाई गई।शिविर के बारे में जानकारी देते हुए ट्रस्ट के जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया ने बताया कि लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सामाजिक सरोकार के तहत इस पुनीत कार्य को कर रहा है। भीषण गर्मी को देखते हुए निर्जला एकादशी पर राहगीरों की प्यास बुझाना और उन्हें राहत देना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। चिड़ावा ट्रस्ट प्रभारी रजनीकांत मिश्रा ने संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा– 'ट्रस्ट का मुख्य ध्येय केवल ऐसे सेवा कार्य करना ही नहीं, बल्कि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। हमारा लक्ष्य समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्य धारा से जोड़ना और उसे संबल प्रदान करना है। इसी सेवा भावना को ध्यान में रखते हुए आज इस शीतल पेय शिविर का आयोजन किया गया।' दोपहर की कड़कती धूप में भी ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने पूरे सेवा भाव से राहगीरों, वाहन चालकों और आमजन को रोक-रोक कर आदर सहित ठंडा जलजीरा पिलाया। इस सेवा कार्य की स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने जमकर सराहना की। इस अवसर पर होशियार सिंह सैनी, नवल सैनी, आदित्य शर्मा, चहीत टेलर, हरिसिंह, जय सिंह राजपूत, रवि सोनी सहित भारी संख्या में ट्रस्ट के कार्यकर्ता और प्रबुद्ध जन उपस्थित रहें।

पुलिस अधीक्षक ने चिड़ावा वृत के अधिकारियों की ली बैठक, अपराध नियंत्रण व कानून-व्यवस्था पर दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर (आईपीएस) ने गुरुवार को चिड़ावा वृत के पुलिस अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में वृताधिकारी चिड़ावा, बुहाना सहित विभिन्न थाना प्रभारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी तथा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए साइबर अपराधों के प्रति विशेष सतर्कता बरतने को कहा। एसपी सागर ने अधिकारियों को बीट व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, नियमित गश्त बढ़ाने तथा आमजन के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस की सक्रियता और जनसंपर्क से अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। बैठक में आमजन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर भी जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील स्थानों तथा हरियाणा सीमा से लगते क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए। इस दौरान आगामी आयोजनों, विशेष अभियानों एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनता की सुरक्षा एवं विश्वास बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जयपुर स्थानांतरण पर बार संघ ने एसडीएम महेंद्र सिंह यादव को साफा पहनाकर दी भावभीनी विदाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद। जयपुर स्थानांतरण पर एसडीएम महेंद्र सिंह यादव को बार संघ ने चमन घाटी स्थित ज्ञानी नाथ आश्रम पर भावभीनी विदाई दी। बार संघ के अधिवक्ताओं ने उनके सम्मान में अच्छे भोजन की व्यवस्था कर विदाई समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर शाहजहांपुर थाने की थाना प्रभारी प्रकिता सिंह भी उपस्थित रहीं। बार संघ के सभी सदस्यों व अधिवक्ताओं ने पहुंचकर एसडीएम महेंद्र सिंह यादव को साफा पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही अधिवक्ताओं ने उनके नए पदस्थापन के लिए शुभकामनाएं दीं। बार संघ के सदस्यों ने एसडीएम महेंद्र सिंह यादव की कार्यशैली और प्रशासनिक दक्षता की सराहना की। अधिवक्ताओं ने कहा कि उनके कार्यकाल में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान हुआ और न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रही। उनकी मिलनसारिता और जनता के प्रति संवेदनशील रवैये की सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। सम्मान समारोह में बार संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहें। सभी ने एक स्वर में कहा कि एसडीएम महेंद्र सिंह यादव के स्थानांतरण से क्षेत्र को एक कुशल और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में क्षति हुई है, लेकिन जयपुर में भी वे अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन इसी लगन और ईमानदारी से करेंगे, ऐसी सभी को अपेक्षा है।

लक्ष्मणगढ़ में नव स्थापित फोर्ट व्यू पैलेस होटल एंड रेस्टोरेंट ने पत्रकारों व प्रबुद्ध जनों को दी दावत

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

हाल ही में लक्ष्मणगढ़ में स्थापित फोर्ट व्यू पैलेस होटल एंड रेस्टोरेंट के शुभारंभ के उपलक्ष में होटल मैनेजमेंट की ओर से गुरुवार को पत्रकारों व प्रबुद्ध जनों के साथ सामूहिक भोज का कार्यक्रम रखा। इस अवसर पर सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलैक्ट्रोनिक मीडिया के प्रतिनिधियों के साथ शिक्षा व राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तित्व

का सामूहिक लंच व सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। लक्षमनगढ के पत्रकारों के साथ नव स्थापित फोर्ट व्यू पैलेस होटल एंड रेस्टोरेंट में उत्सव वैकवेट हॉल व केसरिया रेस्टोरेंट की सुविधाओं की जानकारी ली तथा स्वादिष्ट व लजीज भोजन के साथ ही प्रतिष्ठान की व्यवस्था आदि से रुबरु हुए। इस अवसर पर आयोजक अंकित काबरा के नेतृत्व में होटल मैनेजमेंट ने आगंतुकों का स्वागत कर आभार जताया।

मंडावर में निर्जला एकादशी पर सेवा का संगमः रेलवे स्टेशन पर मीठे शर्बत से बुझाई हजारों यात्रियों की प्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर मंडावर-महवा रोड रेलवे स्टेशन पर मानव सेवा और धर्मभावना का प्रेरक दृश्य देखने को मिला। समाजसेवी महिला कुसुमलता राजपूत (बैजूपाड़ा वाले) ने अपने परिवार के साथ श्रद्धाभाव से शीतल व मीठे शर्बत की प्याऊ लगाकर दिनभर स्टेशन पर आने-जाने वाले हजारों रेल यात्रियों की प्यास बुझाई। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच इस सेवा कार्य ने यात्रियों को बड़ी राहत पहुंचाई तो वहीं स्थानीय लोगों ने भी इसे सच्चे धर्म और जनसेवा का अनुपम उदाहरण बताया।कुसुमलता राजपूत ने बताया कि निर्जला एकादशी को वर्ष की सबसे पुण्यदायी एकादशी माना जाता है। इसी आस्था और मानव सेवा के संकल्प के साथ उन्होंने इस बार रेलवे स्टेशन पर शर्बत की प्याऊ लगाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि मंडावर-महवा रोड रेलवे स्टेशन पर वर्षों से भीषण गर्मी में रेल यात्रियों को शीतल जल पिलाने वाली सेठ ताऊ की

सेवा टीम से मिली प्रेरणा और सहयोग के कारण ही यह सेवा कार्य संभव हो सका। सुबह से बड़ी मात्रा में चीनी, बर्फ और शर्बत तैयार कर स्टेशन पर रुकने वाली ट्रेनों मे बैठे यात्रियों तथा यात्रा हेतु आने-जाने वाले यात्रियो को निरंतर शीतल शर्बत पिलाया गया। उन्होंने कहा कि 'प्यासे को पानी और भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है।' इसी भावना को आत्मसात करते हुए यह सेवा की गई है। उनका मानना है कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरतमंद की सहायता ही सच्ची आराधना है। 'नेकी की राह पर चलने वाले कदम कभी व्यर्थ नहीं जाते, सेवा की छांव में ही इंसानियत का असली स्वरूप नजर आता है।' इस सेवा अभियान में उनके परिवार के सदस्यों के साथ स्टेशन पर नियमित रूप से शीतल जल सेवा करने वाली टीम ने भी सक्रिय सहयोग निभाया। दिनभर चली इस प्याऊ से हजारों यात्रियों ने राहत महसूस की और सेवा भावना की सराहना करते हुये इस पुण्य सेवा कार्य करने वालो के प्रति आभार व्यक्त किया।

नीमराना में आधी रात बुल्डोजर से ढहाया गया हरियाणवी गायक अमित चौधरी का मकान, 20 लाख के लेन-देन के विवाद का शक

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद। औद्योगिक क्षेत्र नीमराणा के प्रतापसिंहपुरा स्थित गोकुल धाम कॉलोनी से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां आधी रात को एक मकान पर बुल्डोजर चलाकर उसे पूरी तरह जमींदोज कर दिया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि यह मकान किसी अपराधी का नहीं, बल्कि जाने-माने हरियाणवी लोक गायक अमित चौधरी का था। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पीड़ित गायक ने नीमराणा थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वर्तमान में एलडी एडन पार्क सोसाइटी में रह रहे अमित चौधरी ने पुलिस को बताया कि 24 जून 2026 की रात अज्ञात लोगों ने उनके सूने मकान पर बुल्डोजर चला दिया और कुछ ही देर

में मकान को मलबे में बदल दिया। गायक के अनुसार उनकी किसी से सीधी दुश्मनी नहीं है। उन्होंने शिकायत में इस घटना के पीछे वित्तीय विवाद और साजिश की आशंका जताई है। अमित चौधरी ने बताया कि यह मकान उन्होंने प्रतापसिंहपुरा निवासी मुंशीराम से खरीदा था और सौदे में विनोद पुत्र गिरराज उर्फ भोलू बिचौलिया बना था। पिछले कुछ समय से भोलू के साथ करीब 20 लाख रुपये के लेन-देन को लेकर उनका विवाद चल रहा है। मकान का सौदा भी भोलू के माध्यम से हुआ था, इसलिए गायक को संदेह है कि इसी पुरानी रंजिश के कारण उनके मकान को नुकसान पहुंचाया गया। हरियाणवी लोक गायक ने पुलिस से अपनी और परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि वे मूल रूप से उत्तर प्रदेश के निवासी हैं और रोजगार के लिए नीमराणा में रह रहे हैं। मकान ढहने के बाद से परिवार भयभीत है। अमित चौधरी ने उच्चाधिकारियों से निष्पक्ष जांच, बुल्डोजर चलाने वालों की पहचान कर जेल भेजने और परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद ही इस 'बुल्डोजर कांड' के पीछे के असली कारण सामने आ सकेंगे।

निर्जला एकादशी पर सेवा और श्रद्धा का संगमः मंडावा में राहगीरों को पिलाया गया शीतल जूस

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा। निर्जला एकादशी (निर्जला ग्यारस) के पावन अवसर पर मंडावा नगर में विभिन्न सामाजिक संगठनों और धर्म प्रेमियों द्वारा सेवा कार्यों का आयोजन कर जनमानस को राहत प्रदान की गई। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों, श्रद्धालुओं एवं आमजन को शीतल पेय पदार्थ वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया। इसी क्रम में लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, मंडावा की ओर से सुभाष चौक पर पाइनएपल जूस वितरण शिविर का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ राहगीरों और

श्रद्धालुओं को ठंडा पाइनएपल जूस पिलाकर उनकी प्यास बुझाई। तपती धूप में किए गए इस सेवा कार्य की स्थानीय नागरिकों ने सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। इस अवसर पर ट्रस्ट से जुड़े राजेश रणजीरोत, मुकेश बुडानिया, दिलराज सिंह, विशाल सैनी, कृष्णा चावला, योगेश, अखिलेश, मनोज सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे और सेवा कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं दूसरी ओर ढिगाल तिराहा चुंगी नाका के पास भी निर्जला एकादशी के अवसर पर जनसेवा का आयोजन किया गया। पवन चौपदार के नेतृत्व में धर्मप्रेमियों ने राहगीरों को ताजे कैरी (आम) के जूस का वितरण कर गर्मी से राहत पहुंचाई। इस सेवा कार्य में राजू चौपदार, नरोत्तम जांगिड़, राजू सैनी, पवन सैनी, विशाल मारवल, दीपक मारवल, शंकर, संजू बारी, प्रियांशु, दीपक रेगर, मोनू सिंह सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं धर्मप्रेमी उपस्थित रहें। आयोजकों ने बताया कि निर्जला एकादशी का पर्व दान, पुण्य और सेवा का विशेष महत्व रखता है। इसी भावना के साथ आमजन की सेवा के उद्देश्य से जूस वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनभर बड़ी संख्या में लोगों ने शिविरों का लाभ उठाया और आयोजकों के इस पुनीत प्रयास की प्रशंसा की। निर्जला एकादशी के अवसर पर मंडावा में हुए इन सेवा कार्यों ने सामाजिक समरसता, परोपकार और मानवता की भावना को सशक्त करने का संदेश दिया।

उकरुंद में अनवरत 23 वर्षों से सजी आस्था की स्वरधारा, दो दिवसीय संगीतमयी हरिकीर्तन दंगल का हुआ आगाज

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल। उपखंड क्षेत्र के ग्राम ऊकरुंद में पूर्व सरपंच एवं समाजसेवी रामफूल मीना के निवास पर सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव की पूर्णाहुति के बाद गुरुवार से दो दिवसीय संगीतमयी हरिकीर्तन दंगल का शुभारंभ हुआ। सुबह से शुरू हुए इस भव्य धार्मिक आयोजन में विभिन्न जिलों से पहुंची प्रसिद्ध हरिकीर्तन मंडलियों ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि पूरा पांडाल श्रद्धा, भक्ति और तालियों की गूंज से देर शाम तक गुंजायमान रहा। 'जहां भक्ति के सुर गूंजते हैं, वहां मन से मन और समाज से समाज जुड़ता है। आयोजक परिवार के जगमोहन मीना (जेईएन),

खुशीराम मीना एवं काडूराम मीना ने बताया कि 25 जून प्रातः 7 बजे से शुरू हुआ यह संगीतमयी हरिकीर्तन दंगल 26 जून सायं 6 बजे तक निरंतर चलेगा। कार्यक्रम में गुढ़ा बरौली (सरमथुरा) के रमेशचंद व भरोसी मीना, खानपुर-सपोटरा के कमल मीना, मीना सीमला के गंगासहाय मीना तथा नाहरखौहरा के बसंतीलाल मीना आदि प्रसिद्ध हरिकीर्तन पार्टियों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। मीना सीमला पार्टी ने हरदौल भगत की कथा, गुढ़ा बरौली-समरथपुरा पार्टी ने कौरव-पांडव बंटवारे का प्रसंग, खानपुर-सपोटरा पार्टी ने भोला-पार्वती विवाह तथा नाहरखौहरा पार्टी ने अभिमन्यु की वीरगाथा का भावपूर्ण मंचन कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुतियों के दौरान पूरा पांडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और श्रद्धालुओं ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए भक्ति रस का भरपूर आनंद लिया। आयोजक परिवार ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ और संगीतमयी हरिकीर्तन दंगल का यह आयोजन पिछले 23 वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है। उनका कहना है कि धर्म और संस्कृति की यह परंपरा समाज को जोड़ने का माध्यम है और ईश्वर की कृपा से इसे आगे भी अविरल रूप से जारी रखा जाएगा। भीषण गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए दिनभर भोजन प्रसादी के साथ ठंडी नींबू शिकंजी की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मण मीणा ने किया। इस अवसर पर राजाराम सरपंच, गिरधारी जगराम मीना, रामावतार मीना, द्वारकाराम मीना, अंकेश मीना, घनश्याम योगी, लालू मीना, तीतर मीना, धर्मसिंह मीना, रामचंद्र मीना, रामखिलाड़ी, केवलराम मीना, मोती प्रजापत, खुशीराम प्रजापत, कालूराम बैरवा, रामेश्वर मीना, काडूराम मीना, जितेश मीना, मेघराम मीना, उमाशंकर मीना, रघुवीर मीना, जगदीश मीना सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग, पंच-पटेल एवं हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहें।

नावदी की बेटी ज्योति यादव का पैतृक गांव में हुआ सम्मान

बिहार में बीपीएससी में पंचायत राज अधिकारी बनने पर गांव ने किया गौरवपूर्ण स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण। अटेली क्षेत्र के गांव नावदी की बेटी ज्योति यादव के बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) में पंचायत राज अधिकारी के पद पर चयनित होने पर पैतृक गांव में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई और ग्रामीणों ने बेटी की सफलता को गर्व का क्षण बताया। ज्योति यादव सुबह छह बजे दिल्ली से रवाना होकर जैसे ही अटेली पहुंचीं उनका जोरदार स्वागत किया गया। अस्टिंट कमांडेंट सतीश कुमार के नेतृत्व में नगर पालिका चेयरमैन संजय गोयल, सुजापुर के सरपंच सतवीर, धर्मेंद्र वशिष्ठ, राजेंद्र लांबा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों और क्षेत्र की माताओं-बहनों ने उन्हें

शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद स्वागत यात्रा अटेली से शुरू होकर भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पूर्व सरपंच कुलदीप बोचडिया के नेतृत्व में गांव नावदी तक पहुंची। समारोह की अध्यक्षता बाबा दाता साहब आश्रम के महंत बालकदास महाराज ने की जबकि मंच संचालन सामाजिक कार्यकर्ता अशोक नावदी ने किया। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कुलदीप यादव बोचडिया ने विशेष रूप से ज्योति यादव को डायरी, पेन एवं हजार रुपये की सहयोग राशि भेंट करते हुए कहा कि गांव और क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। ज्योति यादव ने अपने संघर्ष और मेहनत के दम पर सफलता हासिल कर न केवल अपने माता-पिता बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि ज्योति की सफलता अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी। पूर्व विधायक सीताराम ने भी ज्योति यादव की उपलब्धि की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। ज्योति यादव ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि मेहनत, लगन और परिवार के सहयोग से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि असफलताओं से सीख लेकर निरंतर प्रयास करने से सफलता जरूर मिलती है। एक लड़की होने के नाते कई सामाजिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है लेकिन सही मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प से हर मुश्किल को पार किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन अशोक नावदी ने किया। इस मौके पर नगर पालिका के चेयरमैन संजय गोयल, एडवोकेट सुरेश,सतवीर सरपंच, सतीश डीएसपी सतीश डीएसपी, राकेश भीलवाड़ा, राजेंद्र,मदन सरपंच रामपुरा, लालाराम कांकर, नरेंद्र आदि मौजूद रहें।

टोहाना समाधान शिविर में एसडीएम आकाश शर्मा ने सुनीं जनसमस्याएं

शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा। नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में एसडीएम आकाश शर्मा ने आमजन की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसेवा प्रशासन का मूल उद्देश्य है और प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में जिला एवं उपमंडल स्तर पर नियमित रूप से समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों का उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं के समाधान की सुविधा उपलब्ध करवाना है, ताकि लोगों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में कुल तीन आवेदन प्राप्त हुए। इनमें दो शिकायतें दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) से संबंधित तथा एक शिकायत महिला एवं बाल विकास विभाग (सीडीपीओ) से संबंधित थी। एसडीएम आकाश शर्मा ने सभी शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।एसडीएम ने कहा कि समाधान शिविर शासन और जनता के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने का प्रभावी मंच साबित हो रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं का मौके पर समाधान किया जा रहा है, जिससे लोगों का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए समाधान शिविरों में पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज करवाएं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सोमवार एवं वीरवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं, जिनमें जनता की समस्याएं सुनकर उनके समाधान की दिशा में तत्काल कार्रवाई की जाती है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का डीसी डॉ. विवेक भारती ने किया निरीक्षण, बीएलओ को दिए गुणवत्ता पूर्ण कार्य के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. विवेक भारती ने फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र के मॉडल टाउन स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फतेहाबाद, अशोक नगर स्थित टैगोर मॉडल स्कूल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ोपल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चिंदड़ व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढिंगसरा के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. विवेक भारती ने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा मौके पर उपस्थित बीएलओ एवं सुपरवाइजरों से कार्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. विवेक भारती ने बूथ स्तर पर चल रहे एसआईआर कार्यों की समीक्षा करते हुए बीएलओ को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पुनरीक्षण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही फार्म भरने, दस्तावेजों के सत्यापन तथा ऑनलाइन अपलोडिंग से संबंधित प्रक्रियाओं की भी जानकारी ली गई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. विवेक भारती ने सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान निर्वाचन प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या आने पर जिला प्रशासन पूरी तरह उनके साथ खड़ा है और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान बीएलओ एवं सुपरवाइजरों ने बताया कि पुनरीक्षण कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। अधिकारियों के मार्गदर्शन से कार्य गुणवत्ता के साथ आगे बढ़ रहा हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता

तक पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित करने और उन्हें एकत्रित करने का कार्य कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान वे स्वयं भी मतदाताओं से सीधे संवाद स्थापित कर उनका फीडबैक भी ले रहे हैं तथा जहां कहीं भी सुधार अथवा अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता महसूस होती है, वहां संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि कॉल सेंटर की कार्यप्रणाली की भी नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि किसी भी मतदाता को जानकारी प्राप्त करने में कठिनाई न हो। उनका कहना है कि निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। अभियान के दौरान प्रत्येक मतदाता तक पहुंच बनाकर मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मतदाता टोल फ्री नंबर 1950 पर कॉल करके कोई भी जानकारी ले सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा फतेहाबाद, टोहाना तथा रतिया विधानसभा क्षेत्र के लिए विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। इन हेल्प डेस्कों के माध्यम से मतदाताओं को अभियान से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी और सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि फतेहाबाद हेल्प डेस्क के लिए सुभाष (8307148811), विक्रम (9416309559), प्रमोद (9996447410) तथा प्रदीप नैन (7988385585) को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार टोहाना कंट्रोल रूम में जितेंद्र कुमार (9813485906) एवं तशवीर (7988915091), जबकि रतिया कंट्रोल रूम में सुशील कुमार (8168747714) एवं अनीता (8572021007) मतदाताओं की सहायता के लिए उपलब्ध रहेंगे। जिला स्तर पर संपूर्ण व्यवस्था की निगरानी डीपीएम एचएसआरएलएम सतबीर सिंह (7015291833) द्वारा की जा रही है। इस अवसर पर एसडीएम फतेहाबाद राजेश कुमार, ईईआरओ एवं फतेहाबाद तहसीलदार सुरेंद्र सिंह, चुनाव नायब तहसीलदार राज कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

यमुना बाजार में चला बुलडोजर, सैकड़ों परिवार हुए बेघर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के यमुना बाजार इलाके में गुरुवार सुबह से ही दिल्ली नगर निगम ने तोड़फोड़ की बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है, जिसके चलते सैकड़ों परिवार बेघर होने को मजबूर हो गए हैं। निगम बोध घाट के पास अनधिकृत निर्माणों और अतिक्रमणों को हटाने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल और सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। इस इलाके में रहने वाले पीड़ितों ने बताया कि यहां लगभग 310 मकान हैं, जिनमें तकरीबन 1100 लोग रहते हैं। इनमें से अधिकांश मकान पक्के हैं, जिन्हें अब ढहाया जा रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को ही बताया था कि दिल्ली विकास प्राधिकरण ने कश्मीरी गेट इलाके के यमुना बाजार में रहने वाले लोगों को घर खाली करने का नया नोटिस जारी किया था। नोटिस में इलाके के घाट नंबर 2 से 32 के बीच रहने वाले लोगों से कहा गया था कि वे अपनी मर्जी से जगह खाली कर दें, अन्यथा तोड़फोड़ की कार्रवाई की जाएगी। इस आदेश के बाद कई परिवार पहले ही अपने घरों को खाली कर यहां से जा चुके हैं, जबकि अब भी कई लोग वहीं रह रहे हैं, कार्रवाई को लेकर उनमें भय का माहौल देखने को मिला। घरों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। यहां रहने वाले लोगों का आरोप है कि उनके पानी के कनेक्शन पहले ही काट दिए गए थे, और उन्हें बुधवार रात तक घर खाली करने को कहा गया था। ऐसे में कुछ लोगों ने अपना सामान हटा लिया है, लेकिन कई परिवार अभी भी अपनी जगह पर डटे हुए हैं। स्थानीय निवासी गणेश ने बताया कि यहां से हटाए जाने वाले लोगों के लिए दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड के अस्थायी आश्रयों में रहने का विकल्प दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया, यह कहां का न्याय है? हमारे घर उजाड़कर नाइट शेल्टर में रहने को मजबूर किया जा रहा है। यमुना घाट पंडा एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि वे इस मामले में कोर्ट का रुख कर चुके हैं, और ध्वस्तीकरण के लिए कोर्ट का कोई आदेश नहीं है, फिर भी उन्हें हटाया जा रहा है।

कर्नाटक में पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी, एमडीएमए और गांजे समेत पांच गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में पुलिस ने मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया। पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की और गैर-कानूनी रूप से बेचे जा रहे एमडीएमए और गांजे को जब्त कर पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया है। जानकारी के मुताबिक शिवमोग्गा पुलिस ने रागीगुड्डा चैनल अर्दन रोड के पास छापा मारा और अजहर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से करीब 15 ग्राम एमडीएमए नशीला पदार्थ, एक मोबाइल और नकदी जब्त की। जब्त किए गए एमडीएमए और गांजे की कुल कीमत करीब 1.50 लाख रुपए है। आनंदापुरा पुलिस स्टेशन ने सागर-आनंदापुरा रोड पर एक ऑपरेशन चलाया और मुज्जू और हफीजुल्ला को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 95 ग्राम गांजा और एक बाइक बरामद की। इसी तरह सागर टाउन पुलिस ने अरालिकोप्पा लेआउट क्रॉस के पास छापा मारकर अल्ताफ और अकबर को गिरफ्तार किया। इनके पास से करीब 330 ग्राम गांजा और 4 लाख कीमत की एक कार जब्त की। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। इससे पहले अप्रैल में बेंगलुरु सिटी पुलिस ने शहर में चलाए गए कई समन्वित अभियानों में 16 लोगों को गिरफ्तार किया था और करीब 36.67 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में चार विदेशी नागरिक, आठ अन्य राज्यों से आए व्यक्ति और चार स्थानीय लोग शामिल थे।

मोहर्रम के मौके पर मुस्लिमों ने लखनऊ अग्निकांड के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के लखनऊ के अलीगंज कोचिंग सेंटर में हुए अग्निकांड का दर्द कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस हादसे में 15 लोगों की जिंदगियां खत्म हो गईं। बुधवार को मोहर्रम के मौके पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अग्निकांड के मृतकों को श्रद्धांजलि दी। लोगों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर मृतकों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी की नेता सुमैया राणा भी मौजूद रहीं। बुधवार को मुहर्रम के मौके पर लखनऊ में मुस्लिम समाज के लोगों ने अलीगंज अग्निकांड में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में बड़ी सख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे भी शामिल हुए। ये सभी लोग हाथों में मोमबत्तियां लेकर पहुंचे थे, जहां उन्होंने मृतकों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर हादसे में जान गंवाने वालों को याद किया। इस दौरान श्रद्धांजलि सभा में काफी भावुक माहौल देखने को मिला। इस कार्यक्रम में सपा नेता सुमैया राणा ने भी हिस्सा लिया. उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं जताई और फूल अर्पित किए। लोगों ने सरकार से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की और कहा कि सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू किया जाए ताकि फिर से ऐसी कोई दर्दनाक घटना न हो सके। इसके साथ ही उन्होंने इस हादसे के जम्मिदार लोगों पर भी सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की। बता दें 22 जून को लखनऊ के अलीगंज में एक कोचिंग सेंटर में अचानक आग लग गई थी जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद बिल्डिंग को लेकर कई नियमों के उल्लंघन और लापरवाही की बात सामने आई थी।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर दो विमान आमने-सामने आए, बड़ा हादसा टला

अहमदाबाद(एजेंसी)। अहमदाबाद हवाई अड्डे परन 'पार्किंग बे' की ओर जाते समय एअर इंडिया का एक विमान गलत दिशा में मुड़ गया, जिससे वह इंडिगो के एक विमान के सामने आ गया। हालांकि दोनों विमान एक-दूसरे से सुरक्षित दूरी पर रुक गए। सूत्रों ने बताया कि मुंबई जा रहा इंडिगो का विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था, तभी एअर इंडिया का विमान गलत दिशा में मुड़ गया और वह उसी टैक्सीवे पर आ गया, जिस पर इंडिगो का विमान खड़ा था। सूत्रों के मुताबिक टैक्सीवे पर दोनों विमान समय रहते एक-दूसरे से करीब 200 मीटर की सुरक्षित दूरी पर रुक गए। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा कि हमें उस घटना की जानकारी है, जिसमें 24 जून को मुंबई से अहमदाबाद जाने वाली हमारी एआई 2493 उड़ान लैंडिंग के बाद 'पार्किंग बे' की तरफ जाते समय अनजाने में गलत रास्ते पर मुड़ गई थी। विमानन कंपनी ने कहा कि विमान में सवार यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। उसने बताया कि बाद में विमान को सुरक्षित रूप से 'पार्किंग बे' में ले जाया गया। एअर इंडिया ने कहा कि नियामक प्राधिकरण को मामले की जानकारी दे दी गई है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

निर्जला एकादशी पर सेवा का संगम, मंडावर में जगह-जगह शीतल पेय की प्याऊ, हजारों राहगीरों की बुझाई प्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर मंडावर शहर में धर्म, सेवा और परोपकार का अनूठा संगम देखने को मिला। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच शहर के विभिन्न स्थानों पर समाजसेवियों, व्यापारियों और धर्मप्रेमियों ने शीतल शर्बत, ठंडाई, शिकंजी एवं पेयजल की प्याऊ लगाकर हजारों राहगीरों की प्यास बुझाई। 'प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा कोई दान नहीं, सेवा की यही मिसाल समाज को नई दिशा देती है।' बस स्टैंड रोड स्थित तहसील कार्यालय के समीप जय भोले सेवा समिति, मंडावर की ओर से दिनभर शीतल ठंडाई, शिकंजी और मीठे शर्बत का वितरण किया गया। समिति के पूरण बंसल, प्रवक्ता अजय झालानी, नवीन चौधरी, सोनू रैणी वाले, बनवारी गोयल, मनोज गर्ग, विनोद चौमू, पदम जैन, पप्पू झांकड़ा वाले, महेश दानपुर वाले, वेद अग्रवाल, हंसू अग्रवाल, भागचंद अग्रवाल, होती सैनी, दीपक महावर और बबली सैनी सहित अन्य सदस्यों ने स्वयं राहगीरों को रोककर शीतल पेय पिलाए।

ठंडाई और शिकंजी पीकर राहगीरों ने सेवा कार्य की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में गढ़ रोड स्थित थोबड़ी चौराहे पर आसपास के व्यापारियों ने सामूहिक रूप से शीतल ठंडाई की प्याऊ लगाई। दिनभर राहगीरों को ठंडाई पिलाकर भीषण गर्मी से राहत पहुंचाई गई। स्थानीय व्यापारियों ने एकजुट होकर सेवा और सद्भाव का परिचय दिया तथा निर्जला एकादशी पर जनसेवा को ही सबसे बड़ा पुण्य बताते हुए समाज में परोपकार का संदेश दिया।

मानसून सीजन के मद्देनजर जल निकासी के व्यापक प्रबंध किए जाएं सुनिश्चित : डीसी डॉ. विवेक भारती

डीसी ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नालों की सफाई, जलभराव और बाढ़ प्रबंधन को लेकर की गई तैयारियों के संबंध में की बैठक

संभावित जलभराव क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने और पंप सेट आदि की समुचित व्यवस्था करने के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा। डीसी डॉ. विवेक भारती ने मानसून सीजन के दृष्टिगत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल निकासी के व्यापक प्रबंध सुनिश्चित करने को लेकर वीरवार को लघु सचिवालय सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की। डीसी ने संबंधित विभागों द्वारा किए गए प्रबंधों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिला में जलभराव की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए। बैठक से पहले हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने प्रदेश के सभी जिलों के डीसी और अन्य अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस से बैठक कर मानसून सीजन को लेकर की गई वाटर ड्रेनेज व्यवस्था की

समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वीसी उपरांत डीसी डॉ. विवेक भारती ने अधिकारियों से कहा कि जिला में ड्रेनों, नालों तथा जल निकासी तंत्र को सुचारू रूप से कार्यशील रखा जाए। सभी की अच्छी तरह से सफाई करवाई जाए। जहां कहीं भी अवरोध अथवा अन्य समस्याएं पाई जाती हैं, तो उनका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति न बन पाए। सभी पंपिंग स्टेशनों पर कर्मचारियों की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी आवश्यक संसाधन एवं मशीनरी तैयार रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। यदि किसी क्षेत्र में जलभराव की समस्या सामने आती है और उसमें संबंधित विभाग की लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियात्रिकी विभाग, नगर निकाय और सिंचाई विभाग को निर्देश दिए कि जल निकासी व्यवस्था को लेकर पंप सेट आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए। डीसी ने जिला के सभी रोड पर जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त करने के निर्देश दिए, ताकि रोड पर पानी जमा नहीं हो पाए। साथ ही गांवों के जोहड़ों और नालों की सफाई व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने रोड साइड नालों की साफ-सफाई, जल निकासी के उचित प्रबंध तथा सफाई व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी आगामी मानसून के दृष्टिगत निकासी व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी रखे, ताकि बारिश के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर डीएमसी प्रवीण कुमार, एसडीएम राजेश कुमार, अधीक्षण अभियंता राजेश कुमार, डीआरओ श्याम लाल, डीडीपीओ अनूप सिंह, डीएचबीवीएन कार्यकारी अभियंता अशोक कुमार, सिंचाई विभाग कार्यकारी अभियंता एनके भोला, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के उप निदेशक अमित पंवार आदि मौजूद रहे।

टोहाना के जाखल थाना पुलिस ने गबन/चोरी के मामले में आरोपी को किया काबू

दुकान से विद्युत सामग्री चोरी करने का है आरोप, आरोपी को माननीय न्यायालय में किया जाएगा पेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा। थाना जाखल पुलिस ने दुकान से विद्युत सामग्री चोरी/गबन के मामले में कार्रवाई करते हुए गांव बंगा, थाना मूनक, जिला संगरूर (पंजाब) निवासी करमजीत सिंह पुत्र देवी राम को काबू

किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि जाखल मंडी निवासी गगनदीप जिंदल पुत्र सोहन लाल की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी जाखल मंडी स्थित 'गगन इलेक्ट्रिकल' दुकान पर आरोपी पिछले लगभग 5-6 वर्षों से कर्मचारी के रूप में कार्यरत था। शिकायत के अनुसार कुछ समय से दुकान के स्टॉक में लगातार कमी पाई जा रही थी, जिससे सामान की अनियमितता का संदेह हुआ। जांच के दौरान दुकान से लगभग 50-60 बंडल तार कम पाए गए। पूछताछ करने पर आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसके बाद शिकायतकर्ता को आशंका हुई कि आरोपी द्वारा विद्युत सामग्री का गबन/चोरी की गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अभियोग संख्या 84 दिनांक 23.06.2026, धारा 306 बीएनएस के तहत थाना जाखल में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी करमजीत सिंह को काबू कर लिया है। मामले की जांच जारी है तथा चोरी गए सामान की बरामदगी एवं अन्य पहलुओं पर भी पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

गलतफहमी हुई...बयान शिवराज सिंह या कार्तिकेय चौहान के बारे में नहीं था

-मानहानि मामले में राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में आवेदन देकर किया खेद व्यक्त

जबलपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आठ साल पुराने मानहानि मामले में केंद्रीय कृषि मंत्री और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह पर बयान देने के लिए खेद व्यक्त किया है। राहुल की तरफ से इस संबंध में कोर्ट में लिखित रूप से आवेदन दिया गया है। जबलपुर हाईकोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान राहुल गांधी की ओर से पेश वकील ने एक लिखित आवेदन दिया, जिसमें राहुल गांधी अपने बयान पर खेद जताया है। उनहोंने कहा कि यह बयान गलतफहमी में दिया गया था। हाईकोर्ट ने इस आवेदन पर कार्तिकेय से जवाब मांगा है और कहा है कि उनकी तरफ से लिखित प्रतिक्रिया कोर्ट में पेश की जाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में पहले से चल रहा है,

जहां राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज है। कोर्ट ने इस मामले में पहले ही समन भी जारी कर दिया था। यह मुकदमा शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय चौहान ने दाखिल किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने 2018 के चुनावी भाषण में पनामा पेपर्स लीक से जुड़े बयान में उनका नाम लिया था। इसी बयान को लेकर यह मानहानि का मामला दर्ज किया गया था। अब इस मामले पर अगली सुनवाई फिर से होगी।

राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ वकील ने कोर्ट को बताया कि जिस बयान के आधार पर मानहानि का मामला दर्ज किया गया है, वह मध्य प्रदेश के तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान या उनके बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान के बारे में नहीं था। उन्होंने कहा कि इस बयान को लेकर गलत समझ पैदा हुई है और इसे शिकायतकर्ता से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह मामला साल 2018 के विधानसभा चुनाव प्रचार का है, जब राहुल गांधी ने झाबुआ में एक जनसभा को संबोधित किया था। कार्तिकेय का आरोप है कि उस भाषण में राहुल गांधी ने पनामा पेपर्स का जिक्र करते हुए ऐसा बयान दिया था, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा। इस आरोप के आधार पर भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में उनके खिलाफ मानहानि का केस दर्ज किया गया था और कोर्ट ने समन जारी किया था।

भारतीय विमान के पाकिस्तान सीमा पार करने पर जांच तेज

-नई दिल्ली से उड़ा था विमान रास्ता भटक अमृतसर की जगह पहुंचा पाकिस्तान

-पाक एयर ट्रैफिक कंट्रोल की चेतावनी के बाद लौटा था, पायलट पर एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के खराब रिश्तों की वजह से आमतौर पर दोनों देशों ने विमानों के लिए हवाई क्षेत्र के दरवाजे बंद हैं, सोमवार रात दिल्ली से अमृतसर के लिए निकला एयर इंडिया का विमान एआई-321 अपने रास्ते से भटककर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में पहुंच गया। इसके बाद पाकिस्तान के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने इसे चेतावनी देकर वापस लौटने को कहा। इस मामले की जांच तेज हो गई है और संभावना जताई जा रही है कि पायलट पर एक्शन लिया जा सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एयर इंडिया का विमान ने सोमवार को रात नई दिल्ली से अमृतसर के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन रास्ता भटककर यह पाकिस्तान पहुंच गया। सूत्रों के मुताबिक पायलट को पाकिस्तान पहुंचने की जानकारी तब मिली, जब कंट्रोल सिस्टम पर पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी की चेतावनी आई। इसके बाद स्थानीय एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को दिल्ली लौटने का निर्देश दिया। इसके बाद विमान दिल्ली लौट आया।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक विमान में उड़ाने के दौरान नेवीगेशन सिस्टम में खराबी आ गई थी। इसलिए यह रास्ता भटक गया। एयरपोर्ट अधिकारी के मुताबिक विमान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में करीब डेढ़ मील तक अंदर चला गया था। उन्होंने इसे छोटी घटना बताते हुए कहा कि यह असामान्य नहीं है। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि पाकिस्तान से वापस आते समय विमान को अमृतसर में ही क्यों नहीं रोक इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वाप आते समय विमान स्टेबलाइज नहीं हो सक था इसलिए इसे वापस भेज दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि पायलट व भारतीय सीमा के भीतर ही प्वाइंट पर चक्र लगाने के लिए कहा गया था, लेकिन पायल ने विमान को लगातार आगे बढ़ाना जारी रर और फिर बाईं ओर मुड़ गया। इसकी वज से वह पाकिस्तान पहुंच गया। इस घटना सामने आने के बाद एयरलाइंस ने जांच आदेश दे दिए हैं। साथ ही पायलट को ड्यूटी रोस्टर से हटा दिया गया है। बता भारत और पाकिस्तान के बीच असामा रिश्तों की वजह से दोनों देशों के बीच हवाई संपर्क नहीं है। पहलगाम आतं हमले के बाद दोनों देशों ने हवाई क्षेत्र इस्तेमाल पर पाबंदी है, जिसकी वजह दोनों देशों के विमानों को लंबा रास्ता त करके जाना पड़ता है।

25 जून, 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय: सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। इमरजेंसी की 51वीं सालगिरह पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे देश के लिए काला अध्याय बताया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान देश में लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों को चोट पहुंचाई गई और लोकतंत्र की लड़ाई लड़ने वालों को यातनाएं सहनी पड़ीं। सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इमरजेंसी को याद किया। उन्होंने लिखा- 25 जून, 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह काला अध्याय है, जब आपातकाल थोप कर देश की संवैधानिक आत्मा को कुचलने की कोशिश की गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सत्ता के अहंकार में कांग्रेस द्वारा थोपे गए आपातकाल के अंधकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व नागरिक अधिकारों को गहरी चोट पहुंचाई। उस कठिन दौर में कठोर यातनाएं सहकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सभी महान लोकतंत्र सेनानियों को कोटिशः नमन।

वहीं यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पोस्ट मरें लिखा- भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून, 1975 वह काला दिन है, जब पीएम इंदिरा गांधी ने 'सत्ता के अहंकार' में चूर होकर देश पर आपातकाल थोपा था। इसके जरिए उन्होंने संविधान को अपने शिकंजे में कसकर जनता के मूलभूत अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर जमकर प्रहार किया। उन्हें गहरी चोट पहुंचाई। 'संविधान हत्या दिवस' हमें उस काले दौर की याद दिलाता है, जब असहमति की आवाज़ों को कुचला गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर पहरा बिठाया गया और लोकतंत्र सेनानियों को बेरहमी से जेलों की सलाखों के पीछे डाल दिया गया।

यह आपातकाल कांग्रेस की 'तानाशाही मानसिकता' का नतीजा था। लोकतंत्र की रक्षा के लिए तब की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अडिग रहकर संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों का साहस, त्याग और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। इस काले दौर का डटकर मुकाबला करने वाले उन सभी लोकतंत्र सेनानियों को बारंबार कोटि-कोटि नमन!

भारत ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया

विमेंस वर्ल्डकप में सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम

शेफाली का अर्धशतक, राधा ने 3 विकेट लिए

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदों को कायम रखा। गुरुवार को मैनचेस्टर में खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 136 रन बनाए। जवाब में भारत ने शेफाली वर्मा के 53 रन और यास्तिका भाटिया के 23 रन की बदौलत 16.5 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

शेफाली ने 34 गेंदों में 53 रन की पारी खेली

भारत के लिए शेफाली वर्मा ने 34 गेंदों में 53 रन की पारी खेली। जेमिमा रोड्रिग्स ने 26 और यास्तिका भाटिया ने 23 रन बनाए। हालांकि, भारत ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर 13 रन बनाकर नाबाद रहीं। बांग्लादेश की ओर से ऋतु मोनी ने 2 विकेट लिए, जबकि मरुफा अख्तर, राबेया खान और नाहिदा अख्तर को 1-1 सफलता मिली। भारत ने यह मुकाबला 19 गेंद बाकी रहते 5 विकेट से जीत लिया।

राधा ने 3 और श्री चरणी ने 2 विकेट लिए

इससे पहले, बांग्लादेश की ओर से जुआरिया फिरदौस (33) और कप्तान निगार सुल्ताना (32) ने अहम पारियां खेलीं। भारत ने शुरुआती ओवरों में चार कैच छोड़े, लेकिन बाद में वापसी की। राधा यादव ने 3, श्री चरणी ने 2, जबकि रेणुका सिंह और नंदिनी शर्मा ने 1-1 विकेट लिया।

981 दिन बाद ब्राजील के लिए खेलने पर फूट-फूटकर रोए नेमार

नेमार ने करीब तीन साल (981 दिन) बाद ब्राजील के लिए पहला मैच खेला। वो दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे। ब्राजील ने मियामी में बुधवार को फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप-सी के मुकाबले में स्कॉटलैंड को 3-0 से पीटा।

34 साल के नेमार चोटिल होने के कारण लंबे समय तक राष्ट्रीय टीम से दूर रहे। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ खेला था। 76वें मिनट में नेमार की मैदान में एंट्री हुई, तब तक ब्राजील की टीम 3-0 की बढ़त बना चुकी थी।

दर्शकों ने दिखाया समर्थन

मियामी स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने नेमार का भरपूर समर्थन किया। नेमार के पास जब भी गेंद आई तो दर्शकों ने खूब शोर मचाकर उनकी हौसलाअफजाई की। निर्णायक व्हिसल से पहले नेमार के प्रत्येक टच पर फैंस ने जमकर चीयरिंग की।

फुल टाइम व्हिसल के बाद नेमार भावुक हुए और फूट फूटकर रोने लगे। उन्होंने चौथी बार विश्व कप में शिरकत की।

नेमार ने क्या कहा

नेमार ने ब्राजील की मीडिया से बातचीत में कहा, मैं तीन साल बाद दोबारा राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनकर खुश हूं। मैं शारीरिक रूप से अच्छा महसूस कर रहा हूं। सच है कि इतने दिन टीम से बाहर रहना मुश्किलभरा समय था।

मैच विनर का बयान

विनिशियस जूनियर ने ब्राजील के लिए स्कॉटलैंड के खिलाफ दो गोल दागे। उन्होंने नेमार की वापसी पर खुशी जताते हुए कहा, हम सभी के लिए महत्वपूर्ण पल रहा। हमारा आदर्श लौट आया है। उसने हमेशा लड़ाई की और इस टीम में जगह पाने के लिए खूब परिश्रम किया। जूनियर ने साथ ही कहा, चोट के बाद टीम में लौटना आसान नहीं होता। मुझे उम्मीद है कि नेमार बेहतर खेलेंगे और अपने खेल में सुधार करेंगे। वो हमें खिताब दिलाने में मदद करेंगे। यही सबसे ज्यादा मायने रखता है।

वैभव सूर्यवंशी की डेब्यू सीरीज की टाइमिंग बदली

भारत-आयरलैंड मुकाबले अब शाम 6 बजे से, विमेंस वर्ल्ड कप से क्लैश बनी वजह

वैभव सूर्यवंशी को भारत-आयरलैंड टी-20 सीरीज में इंटरनेशनल डेब्यू का मौका मिल सकता है। इस बीच 26 और 28 जून को होने वाले दोनों मैचों की टाइमिंग बदल दी गई है। दोनों मुकाबले शाम 7 बजे की बजाय एक घंटा पहले 6 बजे से शुरु होंगे। आयरलैंड क्रिकेट बोर्ड ने इसकी जानकारी दी है।

इस फैसले की वजह विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप से मैचों का टकराव है। विमेंस वर्ल्ड कप में 28 जून को भारत-ऑस्ट्रेलिया का मैच शाम 7 बजे से खेला जाएगा। इसी वजह से आयरलैंड सीरीज के मैच एक घंटा पहले कराने का फैसला लिया गया है।

इंग्लैंड सीरीज का शेड्यूल पहले ही बदल चुका है

इससे पहले भारत और इंग्लैंड के बीच 1 जुलाई से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के मैचों के समय में भी बदलाव किया गया था। मैनचेस्टर में 4 जुलाई को और साउथम्प्टन में 11 जुलाई को होने वाले दूसरा और पांचवां टी20 भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा। वहीं चेस्टर-ले-स्ट्रीट, नॉटिंघम और ब्रिस्टल में होने वाले बाकी तीन मुकाबले रात 10 बजे से खेले जाएंगे।

वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू पर रहेगी नजर

आयरलैंड दौरे में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के सीनियर इंटरनेशनल डेब्यू की भी उम्मीद है। हाल ही में उन्होंने भारत ए और श्रीलंका ए के बीच त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में सिर्फ 11 गेंदों में लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक लगाया था।

राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल 2026 में वैभव ने 776 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 237.31 रहा और उन्होंने एक शतक भी लगाया। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें भारतीय टी20 टीम में जगह मिली।

साई सुदर्शन का श्रीलंका ए के खिलाफ शानदार शतक

टैस्ट टीम में नं. 3 के लिए ठोका मजबूत दावा

इंडिया ए के लिए साई सुदर्शन ने श्रीलंका ए के खिलाफ गाले में 132 रनों की शानदार शतकीय पारी खेलकर भारतीय टेस्ट टीम के नंबर 3 क्रम के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। यह उनका नौवां फर्स्ट-क्लास शतक था और इससे उन्होंने अपनी क्षमता साबित की है, जो टेस्ट क्रिकेट में उनके भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम है। 23 वर्षीय सुदर्शन का यह प्रदर्शन उन्हें शीर्ष क्रम में जगह दिलाने में सहायक हो सकता है।

साई सुदर्शन ने गुरुवार को अपने आलोचकों को जवाब दिया और गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका ए के खिलाफ़ चल रहे अनौपचारिक टेस्ट मैच में इंडिया ए के लिए शानदार शतक लगाकर भारतीय टेस्ट टीम में नंबर तीन की जगह के लिए फिर से अपनी दावेदारी पेश की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने का फ़ैसला करने के बाद, सुदर्शन ने आयुष पांडे के साथ इंडिया ए की पारी की शुरुआत की। पिच बल्लेबाज़ी के लिए अच्छी लग रही थी। सुदर्शन ने 175 गेंदों पर 74.43 के स्ट्राइक रेट से 132 रन बनाए। उनकी पारी में 19 चौके शामिल थे।

उनकी पारी की बदौलत इंडिया ए ने सिर्फ़ 50 ओवर में 200 से ज़्यादा रन बनाए। गौरतलब है कि बाकी सभी बल्लेबाज़ संघर्ष करते दिखे और इस खबर के लिखे जाने तक इंडिया ए की पहली पारी में 50 से ज़्यादा रन बनाने वाले सुदर्शन अकेले बल्लेबाज़ थे। आयुष पांडे ने 64 गेंदों में 25 रन, देवदत्त पडिक्कल ने सात गेंदों में 12 रन और ऋतुराज गायकवाड़ ने 53 गेंदों में 22 रन बनाए। टीम की कप्तानी कर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल 21 गेंदों में 12 रन बनाकर खेल रहे थे।

फर्स्ट-क्लास मैचों में सुदर्शन का यह नौवां शतक था। फर्स्ट-क्लास में उनका बेस्ट स्कोर 213 रन है, जो उन्होंने रणजी ट्रॉफी मैच में दिल्ली के खिलाफ बनाया था। इस शानदार शतक के साथ सुदर्शन ने उन आलोचकों को जवाब दिया है जो टेस्ट टीम में उनकी जगह पर सवाल उठा रहे थे।

अफगानिस्तान के खिलाफ पिछले टेस्ट में तमिलनाडु के इस बल्लेबाज ने 81 रन बनाए थे। अब तक, उन्होंने सात मैचों की 12 पारियों में 31.92 की औसत और 43.33 के स्ट्राइक रेट से 383 रन बनाए हैं। इसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका बेस्ट स्कोर 165 गेंदों में 87 रन है, जो पिछले साल अक्टूबर में नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ बना था।

सुदर्शन ने अब तक जो सात टेस्ट मैच खेले हैं, उनमें उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है, इसलिए आलोचक अक्सर उन पर सवाल उठाते रहे हैं। हालांकि, उन्हें टीम मैनेजमेंट का पूरा समर्थन मिला है; मैनेजमेंट का कहना है कि यह बल्लेबाज़ अभी सिर्फ़ 23 साल का है और हर मैच के बाद उसे परखा नहीं जा सकता।

सुदर्शन ने लगातार मिल रहे समर्थन के लिए टीम मैनेजमेंट का शुक्रिया भी अदा किया है। अफ़गानिस्तान के खिलाफ़ 81 रन की पारी खेलने के बाद उन्होंने कहा कि जब कोच, टीम और कप्तान आपका समर्थन करते हैं, आपके साथ खड़े होते हैं और चाहते हैं कि आप देश के लिए अच्छा खेलें, तो इससे मानसिक रूप से बहुत भरोसा मिलता है... यह अपने आप में बहुत सम्मान की बात है।

मेसी के जन्मदिन पर सबसे बड़ा 85 फीट का स्टैच्यू

70 टन स्टील, 18 महीने में तैयार हुआ; वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी के 39वें जन्मदिन के मौके पर उनका सबसे बड़ा स्टैच्यू बनाया गया। बुधवार 24 जून को अर्जेंटीना के पटागोनिया के कट्रल शहर में मेसी की 85 फीट ऊंची मूर्ति का उद्घाटन किया गया। यह दुनिया में मेसी की अब तक की सबसे बड़ी प्रतिमा है। स्टैच्यू को बनाने में 70 हजार किलो (70 टन) स्टील का इस्तेमाल हुआ। इसे तैयार करने में 18 महीने लगे। यह सम्मान मेसी के वर्ल्डकप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर बनने के दो दिन बाद मिला। मेसी ने सोमवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ 2 गोल दागकर जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे का रिकॉर्ड तोड़ा था। उनके नाम अब 18 वर्ल्डकप गोल हो चुके हैं।

2022 वर्ल्डकप फाइनल का पल दिखाती है प्रतिमा

प्रतिमा में मेसी को कतर वर्ल्डकप 2022 फाइनल के बाद घुटनों पर बैठे हुए दिखाया गया है। फ्रांस के खिलाफ फाइनल में गोंजालो मोंटिएल के पेनल्टी गोल के बाद अर्जेंटीना वर्ल्ड चैंपियन बना था। मूर्ति में मेसी एक हाथ में अर्जेंटीना की जर्सी पकड़े हुए हैं, जबकि दूसरे हाथ की उंगली आसमान की ओर उठी हुई है। गोल करने के बाद मेसी अक्सर अपनी दादी को श्रद्धांजलि देने के लिए ऐसा जश्न मनाते हैं।

स्थानीय कलाकार ने तैयार की विशाल प्रतिमा

61 साल के स्थानीय मूर्तिकार एल्डो बेरोइसा ने इस प्रतिमा को तैयार किया है। इससे पहले वे डायनासोर और अर्जेंटीना के स्वतंत्रता सेनानियों की विशाल मूर्तियां बना चुके हैं। बेरोइसा ने कहा, मेसी अर्जेंटीना के राजदूत हैं। एक कलाकार और अर्जेंटीनी होने के नाते यह मेरे लिए बेहद खास परियोजना थी।

भारत में बनी 70 फीट की प्रतिमा हटानी पड़ी थी

मेसी ने पिछले साल दिसंबर में भारत का दौरा किया था। इसी दौरान वेस्ट बंगाल में उनकी 70 फीट ऊंची प्रतिमा बनाई गई थी। 27 दिनों में तैयार हुई उस प्रतिमा को दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉलर स्मारकों में गिना गया था, लेकिन इसी महीने स्थानीय प्रशासन ने उसे हटाने का आदेश दे दिया। अधिकारियों के मुताबिक तेज हवा में प्रतिमा हिल रही थी और सुरक्षा के लिहाज से खतरा बन सकती थी।

मेसी के सम्मान में बना नया म्यूरल

वर्ल्डकप के दौरान अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में मेसी के सम्मान में म्यूरल भी बनाया गया है। करीब 20 फीट चौड़ी और 18 फीट ऊंची इस कलाकृति पर 1300 प्रशंसकों ने अपने नाम लिखे हैं। कलाकार लियोनेल गार्सिया ने 18 दिनों में यह म्यूरल तैयार किया है। मेसी ने वीडियो के जरिए सभी फैंस का धन्यवाद किया और कहा, आप सभी का बहुत-बहुत शुक्रिया। जो लोग इस पहल से जुड़े और लगातार समर्थन कर रहे हैं, मैं उनका आभारी हूं।

ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट में

स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया, विनीसियस ने डबल गोल किए

5 बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट राउंड में प्रवेश कर लिया है। उसने गुरुवार सुबह ग्रुप-सी के मैच में स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया। मियामी स्टेडियम में ब्राजील की ओर से विनीसियस जूनियर ने दो गोल किए। जबकि एक गोल मैथियस कुन्हा ने दागा। स्कॉटलैंड 1998 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप में खेल रहा है, लेकिन टीम एक बार फिर ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में नाकाम रही। टूर्नामेंट के इतिहास में यह नौवीं बार है, जब स्कॉटलैंड ग्रुप चरण पार नहीं कर सका। वहीं, ब्राजील दूसरी जीत के साथ 7 अंक लेकर ग्रुप-सी के टॉप पर है। विनीसियस ने फर्स्ट हाफ में दोनों गोल किए विनीसियस ने मैच के 7वें मिनट में गोल कर ब्राजील को शुरुआती बढ़त दिलाई। उन्होंने हाफ टाइम से ठीक पहले दूसरा गोल भी दागा। कुन्हा ने भी हाफ टाइम से ठीक स्कोरशीट में नाम दर्ज कराया। विनीसियस अब टूर्नामेंट में चार गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे की बराबरी पर पहुंच गए हैं। दोनों के चार-चार गोल हैं, जबकि अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी पांच गोल के साथ टॉप पर हैं। नेमार ने चोट से वापसी की, फैंस ने स्वागत किया-ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार ने 76वें मिनट में मैदान पर उतरकर चोट के बाद वापसी की। दाएं पिंडली की समस्या के कारण वह टीम के शुरुआती दो मुकाबलों में नहीं खेल पाए थे।

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप- इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम

वेस्टइंडीज को 38 रन से हराया, कप्तान हेली मैथ्यूज के विकेट पर विवाद

इंग्लैंड विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने बुधवार देर रात वेस्टइंडीज को 38 रन से हराया। मैच में विंडीज कप्तान हेली मैथ्यूज के कैच आउट पर विवाद हुआ।

द लॉर्ड्स स्टेडियम में विंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। इंग्लैंड ने पहले बैटिंग करते हुए 186 रन बनाए। 187 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी वेस्टइंडीज 20 ओवर में 5 विकेट पर 148 रन ही बना सकी। अर्धशतक लगाने वाली डैनी व्याट-हॉज प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

व्याट-हॉज की फिफ्टी, नाइट के साथ पारी संभाली

इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। एमी जोन्स 1 और सोफिया डंकली 11 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद डैनी व्याट-हॉज ने एलिस कैपसी (26) के साथ इंग्लिश पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 65 रन जोड़े। व्याट-हॉज ने 42 गेंद पर 65 रन बनाए। हॉज के बाद कप्तान हीथर नाइट ने 43 रन बनाकर टीम को 7 विकेट पर 186 रन तक पहुंचाया। इस पारी के साथ व्याट-हॉज टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर बन गई हैं।

187 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। डिएंड्रा डॉटिन ने तेजी से रन बनाने की कोशिश की, लेकिन चार्ली डीन ने उन्हें बड़े शॉट के प्रयास में कैच करा दिया। इसके बाद डीन और सोफी एक्लेस्टोन ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर वेस्टइंडीज पर दबाव बनाए रखा। हालांकि, चिनेल हेनरी और जहजारा क्लैक्सटन ने 5वें विकेट के लिए 63 रन जोड़कर टीम को संभालने की कोशिश की। हेनरी ने नाबाद 51 रन बनाए, लेकिन वेस्टइंडीज 20 ओवर में 5 विकेट पर 148 रन ही बना सकी और 38 रन से हार गई।

पैनासोनिक का मध्य प्रदेश प्लांट बंद होने की कगार पर

नई दिल्ली ।

मध्य प्रदेश के पीथमपुर में संचालित पैनासोनिक कंपनी का विनिर्माण संयंत्र वेस्ट मैनेजमेंट नियमों के बढ़ते अनुपालन खर्च के कारण गंभीर आर्थिक दबाव में बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार कंपनी को औद्योगिक अपशिष्ट के संग्रहण, उपचार और सुरक्षित निस्तारण पर भारी राशि खर्च करनी पड़ रही है। जिससे उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि हो रही है। प्रबंधन के सामने प्लांट के संचालन को लाभकारी बनाए रखना चुनौती बन गया है। बताया जा रहा है,यदि नियमों की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो कंपनी उत्पादन घटाने या संयंत्र बंद करने जैसे विकल्पों पर विचार कर सकती है। इस संभावित निर्णय से क्षेत्र में रोजगार और स्थानीय औद्योगिक गतिविधियों पर असर पड़ना तय है। हालांकि कंपनी की ओर से प्लांट बंद करने को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। कंपनी ने सरकार को जरूर परेशानी से अवगत करा दिया है। सरकार ने जल्द हस्तक्षेप नहीं किया तो कंपनी प्लांट बंद करने का निर्णय ले सकती है।

विवादों में डेटाल का विज्ञापन,चीन में बायकॉट की उठी मांग

नई दिल्ली ।

ब्रिटिश हाइजीन ब्रांड डेटॉल (डेटाल) को चीन में जारी इस विज्ञापन के कारण आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस विज्ञापन का मकसद टॉक्सिक पुरुषों (खराब सोच वाले पुरुषों) की आलोचना करना था, लेकिन इसके महिलाओं के लिए अपमानजनक माना गया। कंपनी ने विज्ञापन हटाते हुए सार्वजनिक माफी मांगी। मई के आखिर में जारी किए गए पांच मिनट के विज्ञापन में एक पुरुष अपनी गर्लफ्रेंड की तुलना अपनी पुरानी पार्टनर से करता है। कहानी में वह एक ऐसी महिला की तलाश की बात करता है जो उसके अनुसार साफ और अनछुई हो। वह यह भी कहता है कि भले ही वह स्वयं वर्जिन न हो, लेकिन उसकी भावी पत्नी का वर्जिन होना जरूरी है। विज्ञापन के अंत में उसकी नई गर्लफ्रेंड को उसकी सोच का पता चलता है। वह उसकी महिला-विरोधी मानसिकता की आलोचना करते हुए उससे रिश्ता खत्म कर देती है। इसके बाद एक वॉयसओवर में कहा जाता है कि टॉक्सिक पुरुष भी कीटाणुओं की तरह होते हैं, जिन्हें खत्म करने के लिए डेटॉल की जरूरत होती है।

ओडिशा में 50,000 करोड़ का मेगा समुद्री विस्तार, नया बंदरगाह और जहाज निर्माण क्लस्टर

राज्य की सामरिक स्थिति मजबूत होगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

नई दिल्ली ।

ओडिशा अपनी समुद्री क्षमता को अभूतपूर्व विस्तार देने की तैयारी में है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य लगभग 50,000 करोड़ रुपये के निवेश से गहरे समुद्र में एक नया बंदरगाह और एक जहाज निर्माण क्लस्टर विकसित करेगा। इस विशाल पहल का उद्देश्य भारत की पूर्वी तटरेखा पर ओडिशा की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करना, समुद्री सुरक्षा में योगदान देना और आर्थिक विकास को गति देना है। मुख्यमंत्री माझी ने बताया कि गंजम जिले के बहुदा में एक नए गहरे समुद्र बंदरगाह का विकास किया जा रहा है, जबकि केंद्रपाड़ा जिले में एक जहाज निर्माण क्लस्टर स्थापित किया जाएगा। उन्होंने समुद्री सुरक्षा और आर्थिक विकास के गहन संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि ये परियोजनाएं ओडिशा को भारत की उभरती हिंद-प्रशांत रणनीति के केंद्र में लाएंगी।

बहुदा में प्रस्तावित गहरे समुद्र बंदरगाह को 21,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से विकसित किया जाएगा। यह भारत के पूर्वी तट पर सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड बंदरगाह परियोजनाओं में से एक होगा, जिसकी माल ढुलाई क्षमता लगभग 15 करोड़ टन प्रति वर्ष होगी। यह खनिज समृद्ध ओडिशा और पड़ोसी राज्यों के लिए एक वैकल्पिक समुद्री मार्ग प्रदान करेगा, साथ ही दक्षिणी ओडिशा में लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक क्लस्टरों को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही पारादीप के पास 24,700 करोड़ रुपये के निवेश से 12 लाख जीटी क्षमता वाला एक जहाज निर्माण और मरम्मत क्लस्टर स्थापित होगा। यह समुद्री औद्योगिक केंद्र जहाज निर्माण, मरम्मत डॉक और समुद्री उपकरण उत्पादन को बढ़ावा देगा। केंद्र और राज्य सरकारें दोनों ही इन परियोजनाओं के माध्यम से तटीय बुनियादी ढांचे, समुद्री रसद और जहाज निर्माण क्षमता को मजबूत करने पर केंद्रित हैं, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और राज्य के आर्थिक परिदृश्य में परिवर्तन आएगा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपय गुरुवार को 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.34 पर बंद हुआ।

आज सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट से भी रुपया शुरुआती कारोबार में 31 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.24 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, डॉलर की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझान ने भी रुपये को समर्थन दिया। हालांकि, विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण रुपये की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.30 पर खुला। फिर मजबूत होकर 94.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 31 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को 21

पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.55 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 101.50 पर रहा।

एशियाई बाजारों में जोरदार तेजी

मुंबई ।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अधिकांश शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी देखने को मिली। इसकी बड़ी वजह अमेरिकी चिप निर्माता माइक्रान के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजे और चालू तिमाही के लिए मजबूत राजस्व अनुमान रहे। जापान का निक्केई 225 करीब 3.37 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 4.89 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। एशियाई कारोबार के दौरान एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 1.68 फीसदी और नेस्डेक 100 फ्यूचर्स 0.48 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहे थे। हालांकि बुधवार को अमेरिकी शेयर बाजार मिश्रित रुख के साथ बंद हुए। नेस्डेक कम्पो जिट 0.43 फीसदी और एसएंडपी 500 0.10 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि डाउ जोंस 0.35 फीसदी चढ़ा।

एमेजॉन साईओ एंडी जेसी भारत में, क्विक डिलीवरी पर कंपनी का जोर

नई दिल्ली ।

एमेजॉन के मुख्य कार्यकारी एंडी जेसी अपने पहले भारत दौरे पर हैं, जहां कंपनी ने देश के तेजी से बढ़ते क्विक-कॉमर्स बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अपनी अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी सेवा एमेजॉन नाउ का 300 से अधिक शहरों में विस्तार करने की घोषणा की है।

उनका यह दौरा भारतीय बाजार के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साल 2021 में जेफ बेजोस के उत्तराधिकारी बनने के बाद, एंडी जेसी अभी मुंबई में हैं। उम्मीद है कि वे सरकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के प्रमुखों से मुलाकात करेंगे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की भी संभावना है। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब एमेजॉन ब्लिंकइट, जेप्टो, स्विगी इंस्टामार्ट और फ्लिपकार्ट जैसे घरेलू क्विक-कॉमर्स प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रही है, जो अपने डार्क-स्टोर नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहे हैं।

इस प्रतिस्पर्धा का सीधा जवाब देते हुए एमेजॉन ने कहा है कि वह मिनटों में डिलीवरी वाला देश का सबसे बड़ा नेटवर्क बनाना चाहती है।

कंपनी के अनुसार, एमेजॉन नाउ एमेजॉन इंडिया के इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाली ई-कॉमर्स इकाई है, जिसके ऑर्डर हर तिमाही में दोगुने हुए हैं। एमेजॉन इंडिया के कंट्री मैनेजर समीर कुमार ने बताया कि प्राइम सदस्यों से इसे शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, जो अपनी खरीदारी तीन गुना बढ़ा देते हैं। भारत में एक प्रयोग के तौर पर शुरू की गई यह सेवा अब दुनिया भर के कई देशों में भी विस्तारित हो रही है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 109,निफ्टी 34 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में आज दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी ही उतार-चढ़ाव बना रहने से दिन भर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 703 अंक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 24,100 के स्तर से नीचे फिसल गया। इसके पीछे एक कारण मुनाफावसूली भी माना जा रहा है। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 109 अंक की बढ़त के साथ ही 77,100 पर और 50 अंक वाला एनएसई निफ्टी 34 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 24,056 पर बंद हुआ।

आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दोनों ही बेंचमार्क इंडेक्स लगातार ऊपर की तरफ जाने लगे। यह तेजी दोपहर तक ही रही इसके बाद बाजार गिरने लगा। बाजार बंद होने तक सेंसेक्स करीब 703 अंक नीचे आ गय। वहीं निफ्टी 24,125 के स्तर पर खुला। बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन खराब रहा। निफ्टी मिडकैप में 0.55 फीसदी की गिरावट देखी गई और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.47 फीसदी की गिरावट रही। निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा तेजी इंटरग्लोब में देखने को मिल। वहीं इसके अलावा मैक्स हेल्थकेयर और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरो में भी तेजी रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा नुकसान ओएनजीसी को हुआ जिसमें 2.88 फीसदी की गिरावट देखी गई। इसके अलाव पावर ग्रिड , हिंडाल्को के अलाव टेक महिंद्रा में भी गिरावट रही।

सेवा क्षेत्र की आर्थिक सेहत मापने को नया सूचकांक आधार वर्ष 2024-25 तय

पहला डेटा जुलाई 2026 में; औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की तर्ज पर करेगा काम

नई दिल्ली ।

देश के तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्र की आर्थिक सेहत का आकलन करने के लिए सांख्यिकी मंत्रालय एक नया संकेतक पेश करने जा रहा है। सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) नामक यह सूचकांक, जिसका आधार वर्ष 2024-25 होगा, हर महीने जारी किया जाएगा। यह घोषणा मंत्रालय ने बुधवार को अक्सर पूछे जाने वाले सवालों की एक सूची में की। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल 2026 के आंकड़ों के लिए पहला आईएसपी 14 जुलाई, 2026 को घोषित किया जाएगा। इसके बाद के आंकड़े हर महीने की 29 तारीख (अवकाश होने पर अगले कामकाजी दिन) को जारी किए जाएंगे।

मंत्रालय ने कहा कि यह सूचकांक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की तर्ज पर सेवा क्षेत्र में अल्पकालिक आर्थिक वृद्धि और बदलावों को मापने वाला एक महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक संकेतक होगा। आईएसपी को तैयार करने के तौर-तरीके मई 2025 में गठित

नीति आयोग की देबजानी घोष की अध्यक्षता वाली एक तकनीकी परामर्श समिति के साथ विचार-विमर्श के बाद तय किए गए हैं। इस सूचकांक में थोक-खुदरा व्यापार, परिवहन, बैंकिंग, बीमा, दूरसंचार, होटल, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं जैसे कई प्रमुख उप-क्षेत्र शामिल होंगे। स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं को निगमित सेवा क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के बाद आईएसपी ढांचे में शामिल करने का प्रस्ताव है।

बदलेंगे पेन के नियम छोटे लेनदेन में राहत, बड़े पर सख्ती

वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने को सरकार का नया कदम, उच्च-मूल्य लेनदेन में पेन अनिवार्य

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग जल्द ही पैन कार्ड नियमों में अहम बदलाव लागू करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना और कर चोरी पर अंकुश लगाना है। इन नए नियमों के तहत, वित्तीय लेनदेन को छोटे और बड़े दो हिस्सों में बांटा गया है, जिसके अनुसार पेन की अनिवार्यता निर्धारित होगी। अब छोटे बैंकिंग लेनदेन, सीमित नकद भुगतान और कम मूल्य की खरीद जैसी रोजमर्रा की गतिविधियों के लिए पेन कार्ड तुरंत जरूरी नहीं होगा, पर इनका रिकॉर्ड रखा जाएगा। वहीं, वार्षिक 10 लाख रुपये से अधिक नकद जमा/निकासी, 50,000 रुपये से अधिक म्यूचुअल फंड निवेश, 2 लाख से अधिक की नकद खरीदारी (जैसे आभूषण), 45 लाख से अधिक की संपत्ति खरीद और क्रेडिट कार्ड आवेदन जैसे बड़े लेनदेन के लिए पेन अनिवार्य रहेगा।

प्रमुख शहरों में कार्यालय परिसरों की पट्टा मांग में मामूली गिरावट

अप्रैल-जून तिमाही में कुल मांग 2 फीसदी घटकर 1.74 करोड़ वर्ग फुट हुई

नई दिल्ली ।

देश के शीर्ष सात शहरों में कार्यालय परिसरों को पट्टे पर लेने की सकल मांग अप्रैल-जून तिमाही के दौरान दो प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ 1.74 करोड़ वर्ग फुट रह गई। एक संपत्ति परामर्शदाता द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछली तिमाही के मजबूत प्रदर्शन के बाद यह नरमी देखी गई है। हालांकि, इस दौरान विभिन्न शहरों में मांग के रुझान काफी अलग-अलग रहे। रिपोर्ट बताती है कि अप्रैल-जून 2025 (संशोधित- अप्रैल-जून 2024) में पिछले वर्ष की समान अवधि के 1.78 करोड़ वर्ग फुट की तुलना में यह गिरावट दर्ज की गई। बेंगलुरु, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और हैदराबाद में कार्यालय स्थानों की मांग में वृद्धि हुई, जबकि मुंबई, पुणे, चेन्नई और कोलकाता में गिरावट दर्ज की गई। बेंगलुरु में सकल पट्टा मांग आठ प्रतिशत बढ़कर 52 लाख वर्ग फुट हो गई।

दिल्ली-एनसीआर में यह 23 प्रतिशत बढ़कर 27 लाख वर्ग फुट और हैदराबाद में 19 प्रतिशत बढ़कर 38 लाख वर्ग फुट पर पहुंच गई। इसके विपरीत, मुंबई में पट्टा मांग 29 प्रतिशत घटकर 20 लाख वर्ग फुट रह गई। चेन्नई में 23 प्रतिशत की गिरावट के साथ यह 20 लाख वर्ग फुट, पुणे में 25 प्रतिशत घटकर 12 लाख वर्ग फुट और कोलकाता में 17 प्रतिशत की कमी के साथ पांच लाख वर्ग फुट रही।

स्टीमहाउस इंडिया ने आईपीओ से पहले जुटाए 50 करोड़ रुपये

नई दिल्ली ।

औद्योगिक भाप उपयोगिता सेवाएं प्रदान करने वाली स्टीमहाउस इंडिया लिमिटेड ने अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले निवेशक मधुसूदन केला समर्थित कोषों और निवेशाय संभव फंड से करीब 50 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने गुरुवार को जारी सार्वजनिक सूचना में बताया कि उसने 73 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 68,49,315 शेयर आवंटित किए हैं, जिससे निजी नियोजन के जरिये कुल 49.99 करोड़ रुपये जुटाए गए।इस लेनदेन के तहत सिंगुलैरिटी लार्ज वैल्यू फंड-3 ने 47.94 लाख शेयर के लिए 34.99 करोड़ रुपये का निवेश किया। वहीं सिंगुलैरिटी इक्विटी फंड-1 ने 6.85 लाख इक्विटी शेयर खरीदकर पांच करोड़ रुपये का निवेश किया। निवेशाय संभव फंड ने 9.99 करोड़ रुपये का निवेश किया, जिसके बदले उसे 13.7 लाख इक्विटी शेयर आवंटित किए गए।पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियमों के अनुसार, आईपीओ के तहत प्रस्तावित नए शेयर निर्गम का आकार आईपीओ पूर्व नियोजन से जुटाई गई राशि के बराबर कम कर दिया जाएगा।सूरत स्थित कंपनी ने अपने प्रस्तावित आईपीओ के लिए अद्यतन दस्तावेज दिसंबर में सेबी के पास दाखिल किए थे।

अद्यतन मसौदा दस्तावेजों के अनुसार, आईपीओ में 345 करोड़ रुपये के नए शेयर और 80 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी अपने मौजूदा ऋण का एक हिस्सा चुकाने, अंकलेश्वर एवं पनोली स्थित संयंत्रों की क्षमता बढ़ाने, दहेज विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में नई भाप उत्पादन इकाई स्थापित करने तथा सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने में करेगी। नए नियमों में एक और बड़ा बदलाव किया गया है। पहले इस्तेमाल होने वाला फार्म 60 अब समाप्त कर दिया गया है और उसकी जगह फार्म 97 लागू किया गया है। हालांकि यह फॉर्म सभी जगह मान्य नहीं होगा। खासकर बड़े और हाई-वैल्यू ट्रांजैक्शन में पेन देना ही जरूरी होगा फार्म 97 की अनुमति नहीं मिलेगी।

पहले से आसान हो जाएंगे क्योंकि पेन की जरूरत कम होगी। लेकिन बड़े खर्च, निवेश और खरीदारी में अब अधिक सख्ती देखने को मिलेगी। बिना पेन के बड़ी डील करना मुश्किल हो जाएगा।

जिससे वित्तीय सिस्टम अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनने की उम्मीद है।

एसएंडपी ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर में कमी का अनुमान जताया

कमजोर मानसून, ऊर्जा संकट और वैश्विक सुस्ती से जीडीपी 6.6 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर में कमी का अनुमान लगाया है। अपनी ताजा रिपोर्ट में एसएंडपी ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र पर बढ़ते दबाव, कमजोर मानसून और वैश्विक अर्थव्यवस्था की सुस्त रफ्तार के कारण देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.6 फीसदी रह सकती है, जबकि महंगाई बढ़कर 5.1 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है।

बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है।

एसएंडपी की रिपोर्ट बताती है कि भारत की अर्थव्यवस्था ने पहले 7.7 फीसदी और 7.1 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की थी, लेकिन अब यह रफ्तार धीमी होगी।

अल-नीनो के कारण सामान्य से 43 फीसदी कम मानसूनी बारिश ने कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है।

भारत अपनी कच्चे तेल की 88 फीसदी जरूरत आयात करता है; पश्चिम एशिया में तनाव से अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें बढ़ने से देश का आयात बिल और औद्योगिक लागतें बढ़ी हैं। बढ़ते उर्वरक मूल्य भी खाद्य उत्पादन और महंगाई पर असर डालेंगे। एसएंडपी का अनुमान है कि उपभोक्ता महंगाई दर 5.1 फीसदी तक पहुंच सकती है। यदि महंगाई उम्मीद से अधिक बढ़ती है, तो आरबीआई को वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियों और निवेश पर भी असर पड़ेगा।

वैश्विक विमानन केंद्र बनेगा भारत

छह और शहरों में हब-एंड-स्पोक उड़ानें शुरू होंगी

वाराणसी ।

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत को वैश्विक विमानन केंद्र बनाने के उद्देश्य से अगले छह सप्ताह में छह और शहरों में हब-एंड-स्पोक (एचएंडएस) मॉडल के तहत उड़ान सेवाएं शुरू होंगी। वाराणसी से इस मॉडल की पहली उड़ान सेवा शुरू की गई, जिसका लक्ष्य छोटे-मझोले शहरों को अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से निर्बाध रूप से जोड़ना है। इस व्यवस्था में, छोटे हवाई अड्डों (स्पोक) से यात्री बड़े हब हवाई अड्डों जैसे दिल्ली के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक पहुंचेंगे। नायडू ने वाराणसी हवाई अड्डे पर पहली 'हब-एंड-स्पोक' उड़ान (एआई1111) का शुभारंभ किया। यह उड़ान सुबह 9:30 बजे वाराणसी से रवाना हुई, जिसके यात्री दिल्ली के रास्ते दुबई, कोलंबो, जेद्दा, रियाद और फुकेत सहित नौ विदेशी गंतव्यों के लिए यात्रा करेंगे। एयर इंडिया इन सेवाओं को ईजी कनेक्ट उड़ानें

कह रही है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने बताया कि इनका विस्तार अमृतसर, अहमदाबाद, कोच्चि, गोवा, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों तक होगा। इन उड़ानों से यात्रियों को अपने प्रस्थान हवाई अड्डे पर ही सामान जमा करने और आव्रजन प्रक्रिया पूरी करने की सुविधा मिलेगी। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह मॉडल छोटे शहरों को लाभ देगा और रोजगार, निवेश के अवसर पैदा करेगा।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय-बांग्लादेशी मजदूरों का हंगामा: महीनों से नहीं मिला वेतन, रोजमर्रा का खर्च चलाना भी मुश्किल

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में काम कर रहे भारत और बांग्लादेश के करीब 400 प्रवासी मजदूर इन

दिनों मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं। इन मजदूरों का आरोप है कि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिसके कारण उनके सामने रोजमर्रा का खर्च चलाना भी चुनौती बन गया है। यह मामला तब सामने आया जब करीब 100 मजदूरों ने सिंगापुर के श्रम मंत्रालय से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद मंत्रालय ने केपीए इंजीनियरिंग और एसके इंडस्ट्रीज नाम की दो कंपनियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी। जांच शुरू होने के बाद और भी मजदूर सामने आए, जिससे प्रभावित कर्मचारियों की संख्या बढ़कर लगभग 400 तक पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक, दोनों कंपनियों का संचालन एक ही डायरेक्टर से जुड़ा हुआ है। यह भी सामने आया है कि वह कई अन्य कंपनियों से भी संबद्ध है। इस बीच, कंपनियों के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका पक्ष सामने नहीं आ सका। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि मजदूरों को खाना उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने भी भुगतान न मिलने के कारण सप्लाई रोक दी है। ऐसे में कई मजदूरों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया। राहत की बात यह है कि प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले कुछ गैर-सरकारी संगठन आगे आए हैं और प्रभावित श्रमिकों को भोजन व अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। माइग्रेंट वर्कर्स सेंटर ने 300 से ज्यादा मजदूरों से मुलाकात कर उन्हें मदद का भरोसा दिया है। वहीं, अधिकारियों ने मजदूरों को सलाह दी है कि वेतन विवाद के निपटारे तक वे नई नौकरी तलाश सकते हैं। इसके लिए उन्हें विशेष पास भी दिया जा सकता है, जिससे वे कानूनी रूप से सिंगापुर में रह सकें।

जर्मनी में रेल सेवाएं ठप, संचार प्रणाली में आई खराबी; स्टेशनों पर फंसे हजारों यात्री

बर्लिन, एजेंसी। संचार प्रणाली में आई तकनीकी खराबी के कारण मंगलवार देर रात जर्मनी की

रेल सेवाएं ठप हो गईं। इसके चलते देशभर में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेनें रुक जाने से कई यात्री विभिन्न स्टेशनों पर फंस गए। अपने गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश कर रहे यात्रियों की स्टेशन सूचना केंद्रों पर लंबी कतारें देखी गईं, जहां वे आगे की यात्रा के बारे में जानकारी लेने पहुंचे थे। जर्मनी की प्रमुख राष्ट्रीय रेल कंपनी डॉयचे बान ने बताया कि जीएसएम-आर डिजिटल संचार प्रणाली में देशव्यापी समस्या आने के कारण सभी ट्रेनों को स्टेशनों पर रोक दिया गया। यह प्रणाली रेलवे नेटवर्क के भीतर आंतरिक संचार के लिए इस्तेमाल की जाती है। डॉयचे बान ने आधी रात जारी बयान में कहा कि समस्या की वजह का पता लगा लिया गया है, लेकिन यह नहीं बताया कि खराबी किस कारण हुई। कंपनी ने कहा, 'तकनीशियन समाधान निकालने के लिए गहनता से काम कर रहे हैं।' कंपनी ने कहा कि प्रभावित यात्रियों को टैक्सी और होटल वाउचर उपलब्ध कराए जाएंगे। जहां संभव होगा, वहां स्टेशनों पर खड़ी ट्रेनों को यात्रियों के बैठने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। कंपनी ने स्थिति के लिए खेद भी जताया। खराबी की सूचना मिलने के करीब दो घंटे बाद नेटवर्क के कुछ हिस्सों में ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हो गईं। बर्लिन के कम्यूटर रेल नेटवर्क ने कहा कि ट्रेनें चल रही हैं, लेकिन यात्रियों को अभी भी देरी और रद्द होने की आशंका के लिए तैयार रहना चाहिए। पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी जर्मनी के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय रेल सेवाएं संचालित करने वाली डीबी रेजियो मिट्टे ने भी बताया कि सेवाएं बहाल कर दी गई हैं।

गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में कूदे 40 लोग सभी की डूबने से मौत

लंदन , एजेंसी। यूरोप में जारी भीषण गर्मी अब जानलेवा साबित हो रही है। फ्रांस समेत कई यूरोपीय देशों में हीटवेव के चलते अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच एक चौंकाने वाली रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में उतरे करीब 40 लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में अधिकांश युवा बताए जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भीषण गर्मी से परेशान होकर कई लोग असुरक्षित और प्रतिबंधित क्षेत्रों में नदी में नहाने के लिए उतर गए थे। हालांकि, तेज बहाव और सुरक्षा इंतजामों की कमी के कारण ये लोग हादसे का शिकार हो गए। विशेषज्ञ इसे यूरोप में चल रही भीषण गर्मी के खतरनाक प्रभावों का संकेत मान रहे हैं।

सबसे गर्म रात के बाद बुलाई गई आपात बैठक

फ्रांस में रिकॉर्ड स्तर की गर्म रात दर्ज किए जाने के बाद मंगलवार को सरकार ने आपातकालीन बैठक बुलाई। बैठक में लोगों को गर्मी से बचाव और सुरक्षा उपायों को लेकर कई दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक के बाद फ्रांसीसी मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने

कहा कि डूबने से जान गंवाने वालों में अधिकांश युवा थे। उन्होंने इन मौतों को ÷दुखद आपदा÷ बताते हुए कहा कि ये लोग उस संकट के पहले शिकार हैं, जिसका सामना पूरा देश कर रहा है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि हीटवेव के दौरान किसी भी प्रतिबंधित या असुरक्षित जल क्षेत्र में तैराकी करने से बचें। गर्मी का कहर केवल जल दुर्घटनाओं तक सीमित नहीं रहा। दक्षिण-पूर्वी फ्रांस के कारपेंट्रास इलाके में दो और चार वर्ष की उम्र के दो बच्चों की मौत की सबसे संभावित वजह हीट स्ट्रोक बताई गई है। दोनों बच्चे अपने घर के बाहर खड़ी कार में बेहोश पाए गए थे। इसके अलावा, बोर्डो क्षेत्र में गर्मी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 80 से 95 वर्ष आयु वर्ग के तीन बुजुर्गों की भी मौत हो गई। 1947 के बाद सबसे गर्म रात दर्ज

फ्रांस की मौसम एजेंसी ने बताया कि सोमवार और मंगलवार की रात 1947 से रिकॉर्ड रखे जाने के बाद की सबसे गर्म रात साबित हुई। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, देश का औसत तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 2019 में बने पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। हीटवेव की वजह से बोर्डो, पोइटियर्स समेत कई शहरों में तापमान ने नए रिकॉर्ड बना दिए। बढ़ती गर्मी से बिजली आपूर्ति और सार्वजनिक सेवाओं पर भी भारी दबाव देखने को मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौसम विभाग ने फ्रांस के 54 शहरों में हीटवेव अलर्ट जारी किया है।

नीरव मोदी को बड़ा झटका: ब्रिटिश कोर्ट का आदेश- बैंक फ्रॉड मामले में 100 करोड़ से अधिक भुगतान करना होगा

लंदन, एजेंसी। भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को ब्रिटिश कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब नीरव मोदी को बैंक फ्रॉड मामले में 100 करोड़ से अधिक भुगतान करना होगा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश साइमन टिंकलर ने नीरव को व्यक्तिगत गारंटी के तहत देनदार ठहराया। खबरों के मुताबिक नीरव पर 4.1 मिलियन डॉलर (लगभग 38.9 करोड़ रुपये) की मूल राशि बकाया है। बैंक इसमें निर्धारित ब्याज भी जोड़ेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक मंगलवार को (ब्रिटिश टाइम) हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान नीरव या उनके वकील ने अपने बचाव में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। नीरव ने तर्क दिया था कि गारंटी लागू करने योग्य नहीं थी। उसने बैंक से वैध मांगें कभी प्राप्त नहीं की थीं। बैंक ऑफ इंडिया ने जुलाई 2012 में नीरव की कंपनी फायरस्टार डायमंड एफजेडई को दुबई में कर्ज दिया था। नीरव ने 3 अगस्त 2013 को इसकी व्यक्तिगत गारंटी दी थी। 2018 की शुरुआत में, जब नीरव द्वारा पंजाब नेशनल बैंक में कथित धोखाधड़ी की खबर फैली, तो बैंक ऑफ इंडिया ने कर्ज वापस मांगने का फैसला किया। मार्च और अप्रैल 2018 में फायरस्टार और नीरव को भेजे गए नोटिस का जवाब नहीं मिला। 8 मार्च 2024 को बैंक ऑफ इंडिया ने 4.1 मिलियन डॉलर की मूल राशि और ब्याज के लिए सारांश निर्णय प्राप्त किया। बैंक ने अक्तूबर 2025 में नीरव को एक और मांग भेजी। न्यायाधीश टिंकलर ने कहा कि फरवरी 2018 से फायरस्टार समूह की हर कंपनी प्रभावित हुई थी। न्यायाधीश टिंकलर ने बताया कि 17 फरवरी 2018 को नीरव ने बैंक को ईमेल भेजा था। इसमें उसने मीडिया की हलचल से संचालन बंद होने की बात कही थी। उसने समूह की बैंकों को बकाया चुकाने में असमर्थता भी बताई थी। नीरव ने अप्रैल 2018 और अक्तूबर 2025 की मांगें मिलने से इन्कार किया।

कैलिफोर्निया की लाइब्रेरी में 18 साल के लड़के ने की अंधाधुंध गोलीबारी, 2 की मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया से एक बेहद दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां चिको शहर की एक पब्लिक लाइब्रेरी में 18 साल के एक सिरफिरे लड़के ने पूरी प्लानिंग के साथ अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस खौफनाक हमले में एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई है। राहत की बात यह रही कि अमेरिकी पुलिस ने सूचना मिलने के महज 4 मिनट के भीतर ही जान की बाजी लगाकर शूटर को जिंदा दबोच लिया जिससे लाइब्रेरी के अंदर

मौजूद दर्जनों अन्य लोगों की जान बच गई। अधिकारियों के अनुसार संदिग्ध ने लाइब्रेरी के मुख्य प्रवेश द्वार पर एक व्यक्ति को गोली मार दी और फिर इमारत के भीतर घुसकर एक महिला की भी गोली मारकर हत्या कर दी। चिको के पुलिस प्रमुख बिली एल्ड्रिज ने बताया कि सोमवार शाम ब्यूट काउंटी लाइब्रेरी की चिको शाखा से संबंधित आपातकालीन फोन कॉल में गोलियों की आवाजें और लोगों की चीखें सुनाई दे रही थीं। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के दो मिनट के भीतर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। एल्ड्रिज ने जान-माल के और नुकसान को रोकने पर पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए कहा, पहली आपातकालीन कॉल मिलने से लेकर संदिग्ध को हिरासत में लेने तक की पूरी कार्रवाई चार मिनट से भी कम समय में पूरी हो गई।

पुरुषों के बर्ताव से परेशान होकर खुद से ही रचा ली शादी, फिर 1 साल बाद हो गई बोर

रियो डी जनेरियो , एजेंसी। रिलेशनशिप में बार-बार धोखा खाने और पुरुषों के बर्ताव से परेशान होकर खुद से शादी (करने वाली लंदन की एक मशहूर मॉडल अब एक नए कारण से सुर्खियों में हैं। मर्दों से तंग आकर खुद को अपना जीवनसाथी बनाने वाली 36 वर्षीय ब्राजीलियन इन्फ्लुएंसर सुलेन कैरी ने शादी के ठीक एक साल बाद अब खुद से ही तलाक ले लिया है। सुलेन का कहना है कि वह खुद के साथ इस रिश्ते को निभाते-निभाते इतनी थक गईं और बोर हो गईं कि अब उन्हें खुद से ही ब्रेकअप करना पड़ा।

बता दें कि पिछले साल सुलेन कैरी की इस अनोखी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। पुरुषों के साथ बेहद कड़वे अनुभवों के बाद सुलेन ने फैसला किया था कि वह किसी और के भरोसे रहने के बजाय खुद को ही अपनी सोलमेट बनाएगी। उन्होंने लंदन में एक शानदार पार्टी रखी, सफेद वेडिंग गाउन पहना, केक काटा और खुद से हमेशा प्यार करने का वादा किया। शादी के बाद सुलेन खुद ही अकेले डेट पर जाती थीं, खुद को महंगे तोहफे देती थीं और अपनी खुशियां खुद तय करती थीं। शादी के 12 महीनों बाद सुलेन ने

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बेहद चौंकाने वाली पोस्ट शेयर की जिसने इंटरनेट पर नई बहस छेड़ दी है। सुलेन ने लिखा कि शुरुआत में सब कुछ बहुत अच्छा और आज़ाद था लेकिन धीरे-धीरे खुद के साथ चौबीसों घंटे रहना एक दबाव बनने लगा। वह अंदर से बेहद अकेलापन महसूस करने लगीं।

मॉडल ने अपनी पोस्ट में कुबूल किया, मैं खुद से शादी करके खुश थी लेकिन अब मुझे लगता है कि मैं खुद को ही एग्जॉस्ट (मानसिक रूप से थका) कर रही हूं। मुझ पर खुद को हमेशा परफेक्ट रखने का इतना प्रेशर था कि मैं खुद को भी सहन नहीं कर पा रही थी। सुलेन के इस सेल्फ-डिवोर्स की खबर आते ही सोशल मीडिया यूजर्स दो गुटों में बंट गए हैं। कुछ लोग इसे केवल सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स बटोरने का एक पब्लिसिटी स्टंट बता रहे हैं जबकि कुछ यूजर्स मजे लेते हुए लिख रहे हैं– जब मैडम से खुद का साथ सहन नहीं हो रहा, तो वो किसी और पुरुष को कैसे झेल पातीं? वहीं रिलेशनशिप एक्सपर्ट्स और मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि सोलोगैमी यानी खुद से शादी करना आत्म-सम्मान के लिहाज से एक अच्छा विचार लग सकता है लेकिन लंबे समय तक इंसानी स्वभाव अकेले नहीं रह सकता। इंसान एक सामाजिक प्राणी है। किसी भी रिश्ते में जो भावनात्मक सपोर्ट और सुख-दुख साझा करने के लिए दूसरे पार्टनर की जरूरत होती है वह इंसान खुद अकेले रहकर कभी पूरी नहीं कर सकता।

27 वर्षीय भारतीय महिला ने जीता फ्री लग्जरी अपार्टमेंट

दुबई , एजेंसी। दुबई में रहने वाली 27 वर्षीय भारतीय महिला की किस्मत उस समय चमक गई जब उसने एक शॉपिंग कैंपेन के जरिए मुफ्त में एक स्टूडियो अपार्टमेंट जीत लिया। केरल मूल की आयशा अमीर इस विशेष आवासीय अभियान की पहली विजेता बनी हैं, जिसे दुबई में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए शुरू किया गया है।

जानकारी के अनुसार, आयशा ने शहर में खरीदारी के दौरान एक लकी ड्रॉ में हिस्सा लिया था। इस अभियान के तहत ग्राहकों को भाग लेने वाले स्टोर्स से कम से कम 500 दिरहम की खरीदारी करनी होती है। इसके बाद क्यूआर कोड स्कैन कर खरीदारी की रसीद अपलोड करनी होती है, जिससे उनका नाम ड्रॉ में शामिल हो जाता है।

आयशा ने बताया कि उन्हें इस अभियान की जानकारी उनके पति ने दी थी। उन्होंने मॉल और सोशल मीडिया पर इसके विज्ञापन देखे थे, जिसके बाद आयशा ने भी इसमें हिस्सा लेने का फैसला किया। जब उन्हें जीत की सूचना देने के लिए फोन आया तो शुरुआत में उन्हें विश्वास नहीं हुआ। उन्हें लगा कि शायद कोई धोखाधड़ी करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि बाद में आयोजकों की ओर से आधिकारिक ईमेल और जरूरी जानकारी मिलने के बाद उन्हें यकीन हुआ कि उन्होंने वास्तव में एक लग्जरी स्टूडियो अपार्टमेंट जीत लिया है। आयशा और उनके पति पिछले साल विवाह बंधन में बंधे थे और भविष्य में अपना घर खरीदने की योजना बना रहे थे। लेकिन इस साल क्षेत्रीय परिस्थितियों और अनिश्चितताओं के कारण उन्होंने फिलहाल अपना फैसला टाल दिया था। ऐसे में

मुफ्त अपार्टमेंट जीतना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा साबित हुआ। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग दूसरों को बड़े इनाम जीतते हुए देखते हैं और सोचते हैं कि ऐसा उनके साथ कभी नहीं होगा। लेकिन उनकी जीत यह साबित करती है कि कभी-कभी किस्मत अप्रत्याशित तरीके से भी दरवाजा खटखटा सकती है। इस अभियान के तहत कुल 12 अपार्टमेंट विजेताओं को दिए जाएंगे। अगस्त के अंत तक हर सप्ताह नए विजेताओं की घोषणा की जाएगी। इस पहल में करीब 1,000 ब्रांड और 4,000 से अधिक रिटेल आउटलेट शामिल हैं। आयोजकों का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ खरीदारी को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि दुबई के निवासियों और ग्राहकों को खास अनुभव देना भी है। सरल प्रक्रिया और आकर्षक इनामों के कारण यह कैंपेन लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

ग्रीन कार्ड धारकों की बढ़ीं मुश्किलें, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला- अपराध किया तो मिलेगा देश निकाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक अहम फैसला दिया, जिससे अमेरिका में रहने वाले ग्रीन कार्ड धारकों की परेशानी बढ़ना तय है। दरअसल इस फैसले के बाद अगर कोई ग्रीन कार्ड धारक नैतिक पतन से जुड़ा अपराध करता है तो उसे स्थायी नागरिक होने के बाद भी अमेरिका से निर्वासित किया जा सकेगा। अमेरिका के सीमा सुरक्षा अधिकारियों को अब ऐसे लोगों को अमेरिका से निकालना आसान होगा। अमेरिकी न्यायाधीश क्लेरेंस थॉमस ने फैसले में कहा कि आव्रजन अधिकारियों को अब स्पष्ट सबूतों की जरूरत नहीं होगी और अगर उन्हें लगता है कि अपराध हुआ है तो भी वे कार्रवाई कर सकते हैं। जज ने कहा कि अप्रवासन और नेशनलिटी एक्ट में सबूतों की जरूरत की बात नहीं है। दरअसल एक याचिकाकर्ता मुक चोइ लाउ ने अपनी याचिका में बताया कि वह चीनी नागरिक है, लेकिन उसके पास अमेरिका में स्थायी निवास के लिए ग्रीन कार्ड है। ट्रेडमार्क में जालसाजी के आरोप में लाउ को साल 2012 में चीन से लौटते समय न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रवेश नहीं दिया गया था। हालांकि उस समय उन्हें सशर्त प्रवेश की मंजूरी दी गई। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लाउ ने बाद में जाली नोट बनाने के आरोपों को भी स्वीकार किया। जिसके बाद उसे देश से निर्वासित करने का

मिसाइलों के दम पर बचा ईरान

राष्ट्रपति पेजेशकियन बोले- यूएस के साथ समझौते में शामिल नहीं हमारा मिसाइल कार्यक्रम

इस्लामाबाद, एजेंसी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि ईरान का मिसाइल कार्यक्रम अमेरिका के साथ हुए 14 सूत्रीय समझौते का हिस्सा नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी मिसाइलों को लेकर ऐसा कोई समझौता नहीं होगा। पेजेशकियन ने यह बात पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक मीडिया वार्ता के दौरान कही। राष्ट्रपति ने अपने देश के मिसाइल कार्यक्रम का पुरजोर बचाव किया। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें ईरान की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी हैं। उनके मुताबिक, अगर ईरान के पास ये मिसाइलें नहीं होतीं, तो इस्त्रायल और अमेरिका अब तक ईरान को पूरी तरह बर्बाद कर चुके होते। उन्होंने मिसाइल क्षमता और अमेरिका के साथ हुए समझौते के बीच किसी भी तरह के जुड़ाव को सिरे से खारिज कर दिया। पेजेशकियन इन दिनों पाकिस्तान के दौरे पर हैं। वहां वे पाकिस्तानी नेताओं के साथ आपसी संबंधों और क्षेत्र के हालातों पर चर्चा कर रहे हैं। यह बयान स्विट्जरलैंड में हुई तकनीकी बातचीत के खत्म होने के बाद आया है। इस 14 सूत्रीय समझौते का मुख्य उद्देश्य इलाके में जारी तनाव और दुश्मनी को खत्म करना है। पिछले हफ्ते ही अमेरिका ने इस समझौते का आधिकारिक मसौदा सबके सामने रखा था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, इस समझौते में कई अहम बातें शामिल हैं। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का प्रावधान है। साथ ही ईरान पर लगी कुछ आर्थिक पाबंदियों को कम करने की बात भी कही गई है। समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भविष्य में तकनीकी बातचीत करने की रूपरेखा भी तैयार की गई है।

हालांकि, इस आधिकारिक दस्तावेज में ईरान के मिसाइल कार्यक्रम पर किसी भी तरह की रोक का जिक्र नहीं है। इसमें हथियारों से जुड़ी सिर्फ एक ही शर्त है।

रूस से तेल-कोयले की सप्लाई के लिए भारत का नया दांव, चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर बना नई लाइफलाइन

मास्को , एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होरमुज़ जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक शृंखलाओं पर दबाव बढ़ गया है। ऐसे समय में भारत और रूस के बीच विकसित किया गया ईस्टर्न मैरीटाइम कॉरिडोर भारत के लिए एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक व्यापार मार्ग के रूप में उभर रहा है। यह समुद्री मार्ग भारत के चेन्नई बंदरगाह को रूस के सुदूर पूर्व में स्थित व्लादिवोस्तोक बंदरगाह से जोड़ता है और इसे आर्थिक तथा सामरिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत ने वर्ष 2024 में इस मार्ग को सक्रिय किया था, जब लाल सागर क्षेत्र में हमास-इजरायल संघर्ष के प्रभाव के चलते यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय जहाजों को निशाना बनाया जा रहा था। अब अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनाव

तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित व्यवधान ने इस समुद्री गलियारे की उपयोगिता को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईएमसी के जरिए रूस से भारत आने वाले जहाजों का ट्रांजिट समय लगभग 24 दिन रह जाता है, जबकि पारंपरिक स्वेज नहर मार्ग से यही यात्रा 40 दिनों से अधिक समय ले सकती है।इससे भारत को रूस से कच्चा तेल, कोकिंग कोल और अन्य महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों की तेज और अपेक्षाकृत कम लागत वाली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।भारत की इस्पात और ऊर्जा जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में रूस से निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना रणनीतिक आवश्यकता बन गया है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो ईएमसी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता इससे रूस से आने वाले कच्चे माल और ऊर्जा संसाधनों को भारतीय बंदरगाहों से देश के विभिन्न हिस्सों तक तेज़ी और कम लागत में पहुंचाना संभव होगा। यह समुद्री गलियारा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के अनुरूप भी माना जा रहा है। इसके माध्यम से भारत पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ अपनी आर्थिक और सामरिक भागीदारी मजबूत कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की भारत की व्यापक रणनीति का भी हिस्सा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com